শৰ্মা হাৰ্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 306 | गुवाहाटी | गुरुवार, 6 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

24 साल बाद बीजेडी का सूर्य अस्त, हार के बाद पटनायक ने सीएम पद से दिया इस्तीफा पेज 2
विस चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतेंगे : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पेज 3
बसपा अब काफी सोच समझकर मुस्लिम समाज को देगी मौका : मायावती पेज 5
बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए इस खिलाड़ी क अपना जोड़ीदार चुना... पेज 7

लगातार तीसरी बार पीएम बनेंगे मोदी

• सभी घटक दलों ने सौंपा समर्थन पत्र • 8 को लेंगे शपथ
• नीतीश ने कहा- सरकार बनाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन का नेता चुना गया। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री आवास में हुई बैठक में एनडीए के सभी घटक दल के नेताओं ने सर्वसम्मति से मोदी को नेता चुना और इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में एनडीए के नेताओं ने मोदी को जीत की बधाई दी और उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। इस बैठक में जेडीयू अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और टीडीपी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू सहित एनडीए के सभी घटक दलों ने अपना समर्थन पत्र नरेंद्र मोदी को सौंपा। प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह, चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे, जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी, एलजेपी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान, हम के जीतनराम मांझी, जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण, राकांपा अजित पवार गुट के प्रफुल्ल पटेल एवं सुनील तटकरे, अपना दल (एस) की अनुप्रिया पटेल, रालोद के प्रमुख जयंत चौधरी, जेडीयू के राजीव रंजन सिंह एवं संजय झा, यूपीपी(एल) के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो, अगप के अतुल बोरा, आजसू के सुदेश मेहतो, एसकेएम के नेता इंदरा हैंग सुब्बा शामिल रहे। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाना चाहते हैं और चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी तेजी से काम करें। -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में भाजपा असफल, फडणवीस की इस्तीफे की पेशकश

मुंबई (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को महाराष्ट्र में भाजपा को मिली असफलता की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने आगामी विधानसभा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए भाजपा नेतृत्व से संवैधानिक पदों अर्थात उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री पद से मुक्त करने की पेशकश की है। फडणवीस ने कहा कि वे इस सम्बन्ध में केंद्रीय नेतृत्व से मिलकर बात करने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 9 सीटें मिली हैं, जबकि 2024 में भाजपा को राज्य में 23 सीटें मिलीं थीं। हालांकि, महाराष्ट्र और मुंबई में भाजपा का वोट प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल को मैसेज किया पर नहीं आया कोई रिप्लाई : ममता

कोलकाता। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे कल शाम को क्लीयर हो गए। एक बार फिर से एनडीए को बहुमत मिला है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। विपक्ष को इस बार 200 से ज्यादा सीटें मिली है। लेकिन वो भाजपा की सीटें 272 से कम आई इसको लेकर कांग्रेस जश्न के मूड में है। आपको याद होगा बंगाल के चुनाव में सारी सीटों पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा। लेकिन एक भी सीट हासिल नहीं हुआ। बुरी हार के बावजूद राहुल गांधी ने इसे कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार बनाने को लेकर इंडिया गठबंधन में एक राय नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आ चुके हैं। एनडीए 292 सीटों के साथ सरकार बनाने का दावा पेश करने की तैयारी में है। वहीं, इंडिया गठबंधन की ओर से भी सरकार बनाने का दम भरा जा रहा है। हालांकि, अभी उनमें एक राय नहीं बन पाई है। कांग्रेस जहां सरकार बनाने के लिए हां नहीं कर रही है, वहीं तेजस्वी यादव और उद्धव ठाकरे ने इंडिया गठबंधन के हाथों सत्ता की कमान की कवायद कर रहे हैं। इस चुनाव में बढ़िया प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस ने 99 सीटों पर कब्जा जमाया है और वो इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। वहीं, नतीजे के बाद से कांग्रेस सरकार बनाने को लेकर बहुत उत्सुक नहीं दिख रही है। यही पक्ष वो आज शाम की इंडिया गठबंधन की बैठक में रख सकती है। हालांकि सहयोगी दलों की राय सामने आने के बाद आपसी चर्चा के करके ही अंतिम फैसला होगा। कांग्रेस के पास आंकड़े नहीं हैं और वो इसलिए ज्यादा उत्सुक नहीं है। कांग्रेस पार्टी सहयोगी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

केजरीवाल को राहत नहीं, अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी मामले में कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी। बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने 1 जून को ही इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट में याचिका दायर कर अंतरिम जमानत बढ़ाने -शेष पृष्ठ दो पर

एआईयूडीएफ का असम से पूरी तरह सफाया

गुवाहाटी (हि.स.)। मौलाना बदरुद्दीन अजमल नेतृत्व वाली एआईयूडीएफ का असम से एक प्रकार से लोकसभा चुनाव में सफाया हो गया है। और तो और, स्वयं अजमल बुरी तरह से चुनाव हार गए हैं। वहीं, अजमल ने नगांव सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार प्रद्युत बरदलै को चुनाव हराने के लिए अपने जिस उम्मीदवार को खड़ा किया, वह तीसरे स्थान पर चले गए। वहीं, करीमगंज सीट पर भी एआईयूडीएफ अपनी नाक बचाने में सफल नहीं हो सकी। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि धुबड़ी सीट पर एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल को 10,12,476 मतों के अंतर से कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने चुनाव हरा दिया। वहीं, नगांव के एआईयूडीएफ उम्मीदवार अमीनुल इस्लाम तीसरे स्थान पर चले गए। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार प्रद्युत बरदलै ने 6,51,510 मतों के अंतर से चुनाव हरा दिया। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने चुना नोटा, ढाई लाख का आंकड़ा पार

गुवाहाटी। देश में सबसे अधिक मतदान असम में 92.08 फीसदी हुआ। यहीं के प्रत्याशी के सबसे ज्यादा मत 10 लाख 12 हजार 476 वोटों से जीत दर्ज की। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्य में असंतुष्ट मतदाताओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर दिखाया है कि असम में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नोटा (इनमें से कोई नहीं) बटन दबाया है। असम के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 2,56,580 मतदाताओं ने बिना किसी उम्मीदवार को चुने नोटा दबाया। असम में 2024 के चुनावों में पिछले चुनावों की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अपने मिशन में कामयाब होने का सिर्फ एक ही रास्ता है, किसी भी काम को पूरी लगन के साथ करो।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी ने दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति ने स्वीकारा

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के 8 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है। एनडीए ने 292 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के पद से मोदी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। -शेष पृष्ठ दो पर

एक लाख रुपए लेने गारंटी कार्ड के साथ कांग्रेस मुख्यालय पहुंची मुस्लिम महिलाएं

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में *इंडिया* गठबंधन ने आश्चर्यजनक जीत दर्ज की, जिसके बाद लखनऊ में कई महिलाएं कांग्रेस कार्यालय के बाहर कतार में खड़ी हो गईं और *गारंटी कार्ड* की मांग करने लगीं, जिसका वादा पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान किया था। चुनावों से पहले कांग्रेस ने कई घरों में गारंटी कार्ड बांटे थे, जिसमें हर गरीब परिवार की महिला मुखिया को हर साल 1 लाख रुपए देने का वादा किया गया था। तस्वीरों में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं को लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भीषण गर्मी में कतार में खड़े देखा जा सकता है। जहां कुछ महिलाओं ने गारंटी कार्ड की मांग की। वहीं, जिन लोगों को पहले कार्ड मिले थे, उन्होंने अपने खातों में पैसे प्राप्त करने के लिए फॉर्म जमा किए। कुछ महिलाओं ने दावा किया कि पैसे प्राप्त करने के लिए विवरण के साथ फॉर्म जमा करने के बाद उन्हें कांग्रेस कार्यालय से रसीदें मिली हैं। कांग्रेस ने *घर-घर गारंटी* कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा शुरू, कई इलाकों में भाजपा समर्थकों के घरों पर हमला

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। बीती रात सूबे के कई इलाकों में भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके घरों पर हमले हुए हैं। कुछ मामले तो पुलिस में रिपोर्ट भी हुए हैं। उत्तर 24 परगना के बैरकपुर में बीती देर रात तृणमूल कांग्रेस की विजय रैली के दौरान भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला हुआ। तृणमूल उम्मीदवार पार्थ भौमिक की जीत के बाद बैरकपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 24 के तृणमूल कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकाला था। आरोप है कि विजय जुलूस के दौरान भाजपा कार्यकर्ता बाबू नाग के घर में तोड़फोड़ की गई। उस समय बाबू घर पर नहीं थे। वहां उनकी मां, पत्नी और बच्चे थे। जब बाबू नहीं मिला तो उसके घर पर कांच की बोतलें और ईंटें फेंकी गईं। भाजपा कार्यकर्ता के परिजनों ने कहा कि पार्थ भौमिक की जीत की घोषणा के बाद विजय जुलूस की ओर से हमारे घर पर हमला किया गया। महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में भी बीती देर रात भाजपा समर्थकों के कई घरों में तोड़फोड़ की गई। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस अपराधियों को पनाह दे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

24 साल बाद बीजेडी का सूर्य अस्त, हार के बाद पटनायक ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) अध्यक्ष नवीन पटनायक ने बुधवार को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने भुवनेश्वर में राजभवन जाकर राज्यपाल रघुवर दास को अपना इस्तीफा सौंपा। नवीन पटनायक पिछले 24 साल से राज्य के मुख्यमंत्री थे। मंगलवार 4 जून को लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा में विधानसभा चुनाव के भी नतीजे आए। लोकसभा चुनाव में यहां 21 में से 20 सीटें भाजपा को मिलीं और एक कांग्रेस को। विधानसभा चुनाव में भी यहां भाजपा ने बाजी मार ली। 147 सीटों में से 78 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। बीजेडी को सिर्फ 51 सीटें मिलीं। राज्य में पीएम मोदी का जादू चल गया। बहुमत के साथ भाजपा ने ओडिशा में जीत हासिल की। अब भाजपा पहली बार पूर्ण बहुमत से अकेले सरकार बनाएगी। भाजपा ने अब तक मुख्यमंत्री की घोषणा नहीं की है। पार्टी ने पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा। बहुत जल्द भाजपा नई सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। विधानसभा चुनाव में सीएम पटनायक दो सीटों से खड़े थे। एक हिंजिली और दूसरी कंतांबांजी। हिंजिली सीट पर तो

उन्होंने भाजपा के शिशिर कुमार मिश्रा को 4636 वोटों से हराया। तीसरे नंबर पर कांग्रेस के रजनीकांत पाढी रहे। पटनायक को 66459 वोट मिले। हिंजली विधानसभा सीट सीएम पटनायक की पारंपरिक सीट रही है। तो वहीं, कांतांबंजी में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ गया। भाजपा के लक्ष्मण बाग कांतांबंजी सीट से जीत गए। उन्होंने 16344 के भारी मतों से नवीन पटनायक को हरा दिया। तीसरे नंबर पर कांग्रेस के संतोष सिंह सलूजा रहे। लक्ष्मण को 90876 वोट मिले। सीएम नवीन पटनायक को 74543 वोट मिले। आयोग के आंकड़ों को देखें तो ओडिशा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 14 सीटें जीतीं जबकि माकपा को एक सीट मिली। निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटें जीतीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में 113 सीटें, भाजपा ने 23 सीटें और कांग्रेस ने नौ सीटें जीती थीं। भाजपा–बीजेडी गठबंधन 2000 में ओडिशा में सत्ता में आया था और नवीन पटनायक मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 2009 में बीजेडी ने दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत विफल होने के बाद अपने 11 साल पुराने रिश्ते को तोड़ दिया था। पटनायक ने राज्य में इसके बाद हुए चुनावों में जीत हासिल की थी। दिलचस्प यह है कि दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत इस साल के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले भी शुरू हुई थी, लेकिन यह विफल रही। इस बार बीजेडी सुप्रीमो अपनी पार्टी को जीत नहीं दिला पाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ओडिशा के लोगों को धन्यवाद दिया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी उनके सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। एक्स पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि धन्यवाद ओडिशा! यह सुशासन और ओडिशा की अनूठी संस्कृति का जश्न मनाने की शानदार जीत है। भाजपा लोगों के सपनों को पूरा करने और ओडिशा को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

असम में भाजपा की जीत का सिलसिला रहा बरकरार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में भाजपा लगातार सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है। इस चुनाव में भी पार्टी को सबसे अधिक वोट तथा सीटें प्राप्त हुईं। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को इस बार 74,29,813 वोटों के साथ नौ सीट प्राप्त हुए, जो कुल वोट का 37.57 फीसदी है। वहीं, कांग्रेस को 73,95,563 वोट के साथ सिर्फ तीन सीटें मिली जो कुल वोट का 37.39 फीसदी है। असम गण परिषद को एक सीट 12,79,254 वोटों के साथ कुल 6.47 फीसदी, यूपीपीएल को एक सीट 4,76,012 वोटों के साथ 2.41 फीसदी, बीपीएफ को कोई सीट नहीं 7,59,770 वोटों के साथ 3.84 फीसदी तथा एआईयूडीएफ को सबसे कम 6,11,266 वोटों के साथ 3.09 फीसदी वोट प्राप्त हुए। कोई सीट नहीं मिली। 2004 से लेकर अब तक लगातार सभी चुनावों में भाजपा सभी राजनीतिक दलों से आगे रही है।

एसएसबी ने आयोजित किया मेगा वृक्षारोपण

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेगा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का थीम *भूमि बहाली, मरूस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता* जिसका नारा *हमारी भूमि हमारा भविष्य* के साथ मनाया जा रहा है। प्रथम वाहिनी, सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में प्रथम वाहिनी के द्वारा 900 पौधे विभिन्न स्थानों पर लगाए गए और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और बहाली का संकल्प लिया। इसके अलावा, विभिन्न पर्यावरणीय चिंताओं के बारे में वैश्विक जागरूकता फैलाने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तथा एक साथ एकजुट होने के लिए प्रथम वाहिनी सोनापुर ने बामुनखात एलपी स्कूल, कमलाझाड़ी हाई स्कूल, आमसोंग चाय एस्टेट मॉडल स्कूल, बामुनखात, जिला कामरूप (मेट्रो) और ग्रामवासिओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण अभियान किया।

जीत के लिए रकीबुल ने सभी का जताया आभार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी लोकसभा सीट से रिकार्ड 10 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल करने वाले कांग्रेस के उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने पत्रकारों से बात करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों, कांग्रेस पार्टी के हर नेता और कार्यकर्ता के साथ-साथ जितेंद्र सिंह, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी को धन्यवाद दिया। रकीबुल हुसैन ने कहा कि वह कभी भी मुख्यमंत्री के जाल में नहीं फंसेंगे, क्योंकि उन्होंने देश में सबसे अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है। चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद रकीबुल हुसैन ने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक हमला किये। रकीबुल हुसैन ने मुख्यमंत्री की आलोचना की, विशेष रूप से टोल टैक्स, दूध की कीमतों में वृद्धि आदि का जिक्र किया।

राज्यपाल ने विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में लिया हिस्सा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक और राज्य की प्रथम महिला अनाघा परनायक ने आज राजभवन में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में भाग लिया। विश्व पर्यावरण दिवस-2024 को *भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन* थीम के साथ मनाने में दुनिया के साथ शामिल होते हुए, राज्यपाल और राज्य की प्रथम महिला ने राजभवन परिसर में लाल चंदन के पौधे लगाए। राज्यपाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोग हमेशा प्रकृति से जुड़े रहे हैं और उन्होंने विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखा है। उन्होंने लोगों से अपने प्रयास को जारी रखने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि पारिस्थितिक तंत्र पृथ्वी पर सभी जीवन की नींव हैं और उनका स्वास्थ्य सीधे हमारे ग्रह और उसके निवासियों पर प्रभावित करता है, अपने पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल और मजबूत करके, हम सभी के लिए एक संपन्न वातावरण और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्जीवित करने से उनके आकार की परवाह किए बिना, उन लोगों की आजीविका में वृद्धि होगी जो उन पर भरोसा करते हैं, बीमारियों को नियंत्रित करने में

मदद करेंगे और प्राकृतिक आपदाओं के जोखिमों को कम करेंगे। इसके अलावा, बहाली के प्रयास सभी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिन्न अंग हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रबल समर्थक राज्यपाल ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाने में सक्षम पीढ़ी के रूप में आइए सक्रिय रूप से शामिल हों, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण छोड़ें।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर बुधवार की दोपहर एसटीएफ द्वारा बशिष्ठ थाना क्षेत्र के बेहारबारी, सोनकुची स्थित रतन बोड़ो के किराए के घर पर छापा मारा गया। पुलिस ने छापामारी में दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, उक्त छापे में संदिग्ध हेरोइन की 57 शीशियां बरामद की गईं, जिनका कुल वजन 82 ग्राम है। इसके अलावा नकद सात सौ रुपए और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान सूर्य कुमार शर्मा उर्फ चिंटू (23) और राहुल बोड़ो उर्फ गणेश (25) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

फ्रंटियर मुख्यालय सीसुब में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (सीसुब), गुवाहाटी एवं अन्तर्निहित सेक्टरों तथा वाहिनियों ने जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरण से संबंधित समस्याओं की पहचान और जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। दरअसल, विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को दुनियाभर में प्रकृति और पर्यावरण के महत्व को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम *भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता* रखी गई है और जिसका

नारा *हमारी भूमि हमारा भविष्य* रखा गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोगों को प्रकृति के महत्व के बारे में याद दिलाने के लिए सीसुब फ्रंटियर मुख्यालय, गुवाहाटी एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय मुख्यालायों एवं वाहिनियों में सीमा प्रहरियों ने पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर सीमा प्रहरियों ने फलदार और छायादार वृक्षों के पौधे लगाए गए। सीसुब गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव ने पौधारोपण कर इस अभियान की शुरूआत की, जिसमें सीसुब, प्रथम वाहिनी आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और संयुक्त अस्पताल पटगांव, गुवाहाटी के सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर दिनेश कुमार यादव ने सीमा प्रहरियों को संबोधित करते हुए उन्हें वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करने मात्र से हमारी जिम्मदारी पूरी नहीं होती बल्कि, लगाए गए प्रत्येक पौधे का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पृष्ठ एक का शेष

लगातार तीसरी बार ...

एनडीए की बैठक के दौरान उन्होंने पीएम से कहा कि जल्दी कीजिए। सूत्रों ने बताया कि नीतीश कुमार ने आज दिल्ली में एनडीए गठबंधन सहयोगियों की बैठक में कहा कि सरकार बनाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। हमें इसे जल्द से जल्द करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार एनडीए के नेता आज ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सात जून को भाजपा संसदीय दल की बैठक में मोदी को पार्टी संसदीय दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद एनडीए के सभी सांसदों की बैठक होगी, जिसमें मोदी को औपचारिक तौर पर एनडीए संसदीय दल का नेता चुना जाएगा। आठ जून को मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह कैबिनेट की बैठक के बाद मोदी ने प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया। उधर एनडीए के नेताओं ने कहा कि भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी जी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास हेतु एनडीए सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी।

महाराष्ट्र में भाजपा ...

का अंतर आधा प्रतिशत का ही है। लोकसभा चुनाव में विरोधियों की ओर से संविधान बदलने का कुप्रचार किया था। हमने इस कुप्रचार की असलियत आम जनता को बताने का प्रयास किया, लेकिन हम सफल नहीं हो सके। इसी तरह मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन चल रहा था, हमने आरक्षण दिया भी, लेकिन हम आंदोलन करने वालों को समझा नहीं सके थे। इसी तरह प्याज को लेकर लिया गया निर्णय भी हमारे विरोध में गया था। इसका भी खामियाजा हमें भुगतना पड़ा है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चुनाव में कम सीटें मिलने पर पार्टी की बैठक होगी और सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। मैं खुद को इसके लिए जिम्मेदार मानता हूं और पराजय भी स्वीकार करता हूं। अगले विधानसभा चुनाव में पूरे समय काम करने के लिए मुझे सरकार से हटना जरूरी है। इसी वजह से मैं खुद पार्टी नेतृत्व से मिलकर सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त करने की मांग करुंगा। अंतिम निर्णय जो भी पार्टी नेतृत्व लेगा वह मुझे मान्य होगा।

राहुल को मैसेज...

पार्टी की मॉरल विक्ट्री करार दिया था। कांग्रेस ने दावा किया कि अब विपक्ष को आवाज मिल गई और हम संघर्ष करेंगे। इसके साथ ही सरकार बनाने के दावे सोशल मीडिया की तरफ से दावे किए जा रहे हैं। इसके साथ ही नीतीश कुमार व चंद्रबाबू नायडू को साधने के लिए तरह तरह के बड़े पद के प्रलोभन डिप्टी पीएम पद तक दिए जाने की बात कही जा रही है। ऐसे में अगर 12 सीट वाले नीतीश को डिप्टी पीएम बनाया जाता है तो 29 सीट लाने वाली ममता दीदी को तो इस हिसाब से पीएम पद देना पड़ेगा। वहीं इंडिया गठबंधन और ममता बनर्जी का नरम-गरम वाला रिश्ता लगातार बना रहा। पहले तो कांग्रेस को 2 सीटों के लायक नहीं बताने के बाद राज्य में अकेले चुनाव लड़ने वाली टीएमसी का स्टैंड समय समय पर बदलता रहा। वहीं अब परिणाम के बाद इंडिया गठबंधन की बुलाई गई बैठक से भी ममता ने दूरी बनाई है। इसके साथ ही ममता बनर्जी का एक दर्द भी छलका है। उन्होंने खुद कहा कि मैंने कांग्रेस के अलावा सभी विरोधी दल के नेताओं से बात की और राहुल गांधी को भी मैसेज किया लेकिन जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी हमसे संपर्क नहीं किया है। इंडिया गठबंधन अपने दावे कर रही है तो भाजपा और मोदी-शाह क्या कोई गणित नहीं लगा रहे होंगे। कहा तो ये भी जा रहा है कि भाजपा भी अपने जुगाड़ में लगी है। जरूरत पड़ी तो अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की पुरानी सहयोगी ममता बनर्जी से भी बाहर से समर्थन लिया जा सकता है। 29 सीट लाने वाली टीएमसी अगर भाजपा को बाहर से समर्थन देकर सरकार बनवा दे और बदले में राज्य की राजनीति में बिना हस्तक्षेप अगले टर्म को सुनिश्चित करवा सकती है। इसके साथ ही टीएमसी के कई नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों का शिकंजा है।

सरकार बनाने को ...

दल के दबाव के बाद सोचेगी कि आंकड़ों का अंकगणित किस तरह से जा सकता है। कांग्रेस ये नहीं दिखाना चाहती कि वह सत्तालोभी है। वो भाजपा को 272 का आंकड़ा नहीं मिलने को लेकर पीएम पर दबाव बना रही है और ऐसे में खुद के पास नंबर नहीं होने पर सरकार बनाने की पहल करना सही नहीं है। उधर कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने बैठक कर लोकसभा चुनाव के परिणाम और आगामी रणनीति पर चर्चा हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताकत से लड़े। आप सबको बधाई! 18वीं लोक सभा चुनाव का जनमत सीधे तौर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने भाजपा को बहुमत ना देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। व्यक्तिगत रूप से मोदीजी के लिए यह ना सिर्फ राजनैतिक शिकस्त है, बल्कि नैतिक हार भी है। परन्तु हम सब उनकी आदतों से वाकिफ हैं। वो इस जनमत को नकारने की हर संभव कोशिश करेंगे। हम यहां से यह भी संदेश देते हैं कि इंडिया गठबंधन उन सभी राजनीतिक दलों का स्वागत करता है जो भारत के संविधान के प्रस्तावना में अटूट विश्वास रखते है और इसके आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों से प्रतिबद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इंडिया ब्लॉक के सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि विपक्षी गठबंधन उन सभी पार्टियों का स्वागत करता है जो संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों के प्रति मौलिक प्रतिबद्धता साझा करते हैं। खड़गे की टिप्पणी विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के नेताओं द्वारा नई दिल्ली में कांग्रेस प्रमुख के आवास पर सरकार गठन की संभावनाओं और गठबंधन की भविष्य की रणनीति पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श शुरू करने के तुरंत बाद आई। जनादेश निर्णायक रूप से मोदी, उनके और उनकी राजनीति के सार और शैली के खिलाफ है। यह उनके लिए व्यक्तिगत तौर पर बड़ी राजनीतिक क्षति के अलावा स्पष्ट नैतिक हार भी है। हालांकि, वह लोगों की इच्छा को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केजरीवाल को राहत ...

की अपील की थी, इसके उनकी तरफ से स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया गया था। ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने इसका विरोध किया था। ईडी की ओर से उस समय बताया गया था कि वह मेडिकल ग्राउंड पर जमानत मांग रहे हैं, जबकि पंजाब में चुनाव प्रचार कर रहे थे। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 1 अप्रैल को वह न्यायिक हिरासत में भेज दिए थे। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए उन्हें जमानत दे दी थी। जमानत देते वक्त उन्हें 2 जून को सरेंडर करने को कहा गया था। इससे पहले ही अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिस पर 1 जून को सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सरेंडर की तारीख नजदीक आने से पहले केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रख किया था। इसमें केजरीवाल ने कोर्ट से अंतरिम जमानत का एक सप्ताह बढ़ाने की अपील की थी। कोर्ट में उनकी ओर से अपनी खराब सेहत का हवाला दिया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील अस्वीकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे खारिज कर दिया गया।

एआईयूडीएफ का असम...

इनके अलावा करीमगंज सीट पर एआईयूडीएफ के उम्मीदवार साहाबुल इस्लाम चौधरी को सिर्फ 29,205 वोट ही मिले। वह तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें भाजपा उम्मीदवार कृपानाथ मल्लाह ने 5,15,888 मतों से पराजित कर दिया। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि एआईयूडीएफ की यह पराजय एक प्रकार से बदरुद्दीन अजमल के राजनीतिक रंगमंच का पटाक्षेप है। अजमल पर आरोप लगते रहे हैं कि दो दशक तक उन्होंने न सिर्फ असम में सांप्रदायिकता की राजनीति की, बल्कि सरेआम धनबल की राजनीति को भी आगे बढ़ाया। चुनाव के दौरान टिकटों के बंटवारे से लेकर हर मौके पर जिस प्रकार से राजनीति को उन्होंने धन अर्जित करने का हथकंडा बनाया- वह आखिरकार उनके लिए आत्मघाती साबित हुआ। इत्र के सम्राट अजमल झाड़-फूंक और प्रलोभन की राजनीति के बल पर तकरीबन दो दशक तक सत्ता का सुख भोगते रहे। सरकार चाहे जिस किसी भी पार्टी की बनी, लेकिन अजमल के कारोबार को उससे लाभ ही प्राप्त हुआ। अजमल न सिर्फ विभिन्न मौके पर अपनी पार्टी के नेताओं और पत्रकारों के साथ बदसलूकी करते नजर आए, बल्कि अनेक सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्हें खुलेआम लोगों को अपमानित करते देखा गया। ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं मिलता जो अजमल को व्यक्तिगत तौर पर पसंद करने वाला हो। दो दशक तक उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठी मुसलमानों को मुगालते में रखकर वोट लिया। इस दरमियान बांग्लादेशी संदिग्ध नागरिक *डी वोटर* बनते रहे। डिटेंशन कैंपों में इनकी तादाद बढ़ती रही और अजमल भाषणबाजी करते रहे। आखिरकार कांग्रेस इन मुस्लिम मतदाताओं को यह समझाने में सफल रही कि यदि मुसलमानों का कल्याण होना है तो कांग्रेस को ही लाना होगा। लोगों ने इसे समझा भी और अजमल को दूध की मक्खी की तरह निकाल कर बाहर फेंक दिया।

असम में बड़ी संख्या ...

तुलना में नोटा मतदाताओं की संख्या में इजाफा देखा गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में असम में नोटा बटन दबाने वाले मतदाताओं की संख्या 1,68,351 थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को मतगणना समाप्त होने के बाद यह बात सामने आई है कि 2019 की तरह ही असम के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में नोटा में बड़ी संख्या में वोट डाले गए। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में असम में नोटा की संख्या में करीब 90,000 की वृद्धि हुई है। 2024 के चुनाव में असम में सबसे ज्यादा नोटा वोट डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र में पड़े। डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र, जिसे केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कुल 2,80,000 वोटों के अंतर से जीता था, में 32,255 नोटा वोट पड़े। यह असम के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में नोटा की सबसे अधिक संख्या है। 2019 में डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र असम में नोटा के आंकड़ों में सबसे ऊपर था। इसी तरह, दरांग-उदलगुड़ी में 23204, गुवाहाटी में 20249, डिफू में 16269, करीमगंज में 2940, सिलचर में 12700, लखीमपुर में 16921, धुबरी में 15015, नगांव में 11995, कोकराझार में 13912, जोरहाट में 14555, बरपेटा में 17117, शोणितपुर में 18748 और काजीरंगा में 24431 वोट नोटा के पक्ष में डाले गए। गौरतलब है कि पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में असम के 14 लोकसभा क्षेत्रों में कुल 1,68,351 नोटा वोट दर्ज किए गए थे। इनमें से सबसे ज्यादा 21,288 वोट डिब्रूगढ़ में दर्ज किए गए थे। इसके अलावा जोरहाट में 12569, लखीमपुर में 15220, तेजपुर में 15626, गुवाहाटी में 10466, डिफू में 18516, डिफू में 18516, डिफू में 8196 वोट नोटा श्रेणी में दर्ज किए गए।

एक लाख रुपए ...

शुरू किया था, जिसके तहत नेताओं को लगभग 80 मिलियन घरों तक पहुंचने और उन्हें इसकी 25 गारंटियों के बारे में जागरूक करने का काम सौंपा गया था। इन गारंटियों में महालक्ष्मी योजना भी शामिल थी, जिसके तहत पार्टी ने वादा किया था कि गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के परिवारों की महिला मुखियाओं के खाते में सीधे 8,500 रुपए प्रति माह जमा किए जाएंगे। यह योजना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के समान है, जिसमें गरीब परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपए का भुगतान किया जाता है। हाल ही में, बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस में कई महिलाओं को खाता खोलने के लिए दौड़ते हुए देखा गया, जिन्हें उम्मीद थी कि अगर केंद्र में इंडिया ब्लॉक सत्ता में आया तो उनके खातों में हर महीने 8,500 रुपए जमा किए जाएंगे। एग्जिट पोल को धता बताते हुए इंडिया ब्लॉक ने 234 सीटें हासिल कीं, लेकिन एनडीए अगली सरकार बनाने के लिए तैयार दिख रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 292 सीटें जीतीं और बहुमत के 272 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा।

बंगाल में चुनाव ...

रही है। बारासात लोकसभा सीट पर इस बार भी तृणमूल की काकली घोष दस्तीदार ने जीत हासिल की है। कथित तौर पर काकली की जीत पक्की होने के बाद मध्यमग्राम के नेताजीपल्ली में कई भाजपा समर्थकों के घरों पर हमला किया गया। बीती रात नेताजी पल्ली में भाजपा समर्थकों के घर पर हमला हुआ। हमलावरों ने लोहे की रॉड, बांस और बंदूक से निवासियों को आतंकित किया। इलाके में भाजपा पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की कोशिश की गई। कथित तौर पर कई लोगों की पिटाई की गई। जादवपुर लोकसभा क्षेत्र में अनिर्बान गांगुली के पोलिंग एजेंट समीर मिस्त्री के घर में तोड़फोड़ को लेकर दक्षिण 24 परगना के नरेंद्रपुर में तनाव फैल गया। नरेंद्रपुर के खेयादह के खुदीराबाद में समीर मिस्त्री डर के कारण बेघर हैं। हालांकि नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है लेकिन फिलहाल आरोपित लापता हैं। कहा जा रहा है कि नतीजे घोषित होने के बाद समीर के घर पर हमला किया गया। समीर की पत्नी और मां से गाली-गलौज की गई। उस वक्त समीर घर पर नहीं थे। हालांकि हमले से इनकार करते हुए तृणमूल ने इसे भाजपा खेमे के गुटीय संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया है। बीती रात हावड़ा के डोमजूर थाना अंतर्गत के तहत जोधगिरी इलाके में भाजपा कार्यकर्ता स्वरूप धारा ने आरोप लगाया कि बीती रात करीब 12:30 बजे तृणमूल से जुड़े बदमाशों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। आरोप है कि घरों में तोड़फोड़ की गई और बम फेंके गए। घटना से पूरा परिवार डरा हुआ है। सोनारपुर के ख्याड़ा में भाजपा के पोलिंग एजेंट के घर में तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप तृणमूल पर लगा है। न्यूटाउन में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला और बाइक में तोड़फोड़ की घटना हुई है। कथित तौर पर बीती रात 12-14 लोगों ने भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला कर दिया। खिड़की का शीशा टूटा हुआ था। दो बाइकें भी तोड़ दी गईं।

पीएम मोदी ने ...

मुर्मू ने मोदी से नई सरकार के कार्यभार संभालने तक अपने पद पर बने रहने का अनुरोध किया। अगर एनडीए सरकार बनाती है तो पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने वाले दूसरे नेता होंगे। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव परिणामों का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और अगली सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री आवास पर बैठक सुबह 11.30 बजे शुरू हुई। यह मोदी 2.0 कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक थी। इस बीच, एनडीए के वरिष्ठ नेता गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचने लगे हैं, जो शाम 4 बजे होने की संभावना है। एनडीए नेताओं के सरकार गठन के विवरण पर विचार-विमर्श करने की संभावना है। जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू, जो आंध्र प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, बैठक में भाग लेंगे।

विस चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतेंगे : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने दावा किया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 100 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा की सीटें लगातार बढ़ रही हैं। पहली बार बरपेटा सीट भाजपा गठबंधन को मिली है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक उत्साहित हो रही कांग्रेस पार्टी को यह नहीं भूलना चाहिए कि 10 वर्ष देश में शासन करने के बाद 2014 में कांग्रेस की क्या हालत हुई थी। लेकिन, वहीं 10 वर्षों तक केंद्र में भाजपा की सरकार रहने के बावजूद भाजपा गठबंधन को स्पष्ट बहुमत से अधिक सीटें ही मिली है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मौलाना बदरुद्दीन अजमल का चुनाव हारना तय था। लेकिन, वहां की जनसंख्या ही ऐसी है कि अजमल के बदले उनके संप्रदाय के दूसरे ही प्रत्याशित है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि काजीरंगा सीट भाजपा ने पहली बार जीता है। वहीं, जोरहाट सीट पर भाजपा उम्मीदवार की पराजय क्यों हुई यह गहन मंथन का विषय है। पार्टी चुनाव परिणाम का विश्लेषण करेगी और उसके अनुसार आने वाले दिनों में कार्य करेगी। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र तथा 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार को काफी बढ़त मिली है। मंगलदै-उदालगुड़ी सीट पर भाजपा प्रत्याशी दिलीप सैकिया भारी मतों के अंतर से चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने धुबड़ी सीट जीतने की कभी उम्मीद भी नहीं की थी। यह चुनाव परिणाम बिल्कुल

भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (सीसुब), गुवाहाटी फ्रंटियर के अंतर्निहित वाहिनियों द्वारा सीमा पर होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के क्रम में, तस्करी के विरूद्ध अभियान में सतर्क सीमा प्रहरियों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक भारतीय तस्कर को भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री को भारत से बांग्लादेश तस्करी करने का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया। सीसुब के जनसंपर्क अधिकारी ने आज बताया है कि पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर 49वीं वाहिनी के सतर्क सीमा प्रहरियों ने बीती रात दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र के ब्रह्मपुत्र नद चैनल के बतानीचर इलाके से तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक भारतीय तस्कर को 2.06 लाख रुपए मूल्य की 5880 किग्रा चीनी के साथ गिरफ्तार किया।

असम में भाजपा की अबतक की सबसे बड़ी जीत : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल ने कहा है कि यह चुनाव परिणाम असम में भाजपा की अबतक की सबसे बड़ी जीत है। भाजपा गठबंधन को राज्य की 14 सीटों में से 11 सीटें मिली है। उन्होंने कहा कि अबतक की यह सबसे बड़ी जीत है। इतनी सीटें कभी नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि चुनाव का परिणाम हमारी आशाओं के अनुरूप आया है। मंत्री सिंघल चुनाव परिणाम को लेकर यहां मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सरकार द्वारा राज्य की जनता के हित में किए जा रहे कार्यों की जीत है। उन्होंने कहा कि इस जीत का श्रेय भारतीय जनता पार्टी और इसके हर एक नेता और कार्यकर्ताओं को जाता है, जिन्होंने चुनाव के दौरान अथक परिश्रम किया। पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल पर मंत्री सिंघल ने कहा कि सभी को अलग-अलग दायित्व अवश्य दिया गया था, लेकिन इस जीत का श्रेय सामूहिक है। उन्होंने कहा कि इस जीत से भाजपा के नेता और कार्यकर्ता आने वाले समय में और अधिक उत्साहित होकर जनहित में कार्य करेंगे।

मणिपुर में तीन केसीपी (सीएम) उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में केसीपी (सीएम) संगठन के तीन कैडरों को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने थौबल जिले से केसीपी (सीएम) संगठन के जिन तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान लौरियाम सुरेश सिंह (28), लाइरेनलाकपाम दिनेश चंद्र सिंह (30) तथा खोनसाम अपनाओ सिंह (26) के रूप में हुई है। उनके पास से मैगजीन के साथ तीन पिस्तौल, 16 राउंड कारतूस, चार मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन और कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गईं। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

असमः यूपीपीएल एवं अगप ने एक-एक सीट पर दर्ज की जीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम में भाजपा गठबंधन के तहत यूपीपीएल और अगप ने एक-एक सीटों पर जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कोकराझाड़ सीट से भाजपा गठबंधन के तहत यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल उम्मीदवार जोयंता बसुमतारी ने कुल 488995 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। बसुमतारी ने बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार खंफा बोरग्यारी को 51583 मतों के अंतर से पराजित किया है। बोरग्यारी को कुल 437412 मत मिले। जबकि कांग्रेस उम्मीदवार गर्जन मुसाहारी को 113736 मत, गण सुरक्षा पार्टी की उम्मीदवार बिनिता डेका को 94189 मत मिले। इसके अलावा कोकराझाड़ सीट से अन्य कई उम्मीदवारों ने भी अपना भाग्य आजमाया था। जबकि, नोटा पर कुल 13912 मत पड़े। बरपेटा सीट से भाजपा गठबंधन के तहत असम गण परिषद के उम्मीदवार फनी भूषण चौधरी ने कुल 860113 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। चौधरी ने कांग्रेस उम्मीदवार दीप बायन को 222351 मतों के अंतर से पराजित किया। दीप बायन को कुल 637762 मत मिले। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के मनोरंजन तालुकदार को 96133 मत, टीएमसी के अबुल कलाम आजाद को 16413 मत मिले। इसके अलावा अन्य कई उम्मीदवारों ने भी बरपेटा सीट से चुनाव लड़ा था, जिनको सफलात नहीं मिली। नोटा पर कुल 17109 मत पड़े।

अगप मुख्यालय में फणिभूषण का हुआ जोरदार स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। बुधवार को गुवाहाटी के आमबारी स्थित असम गण परिषद (अगप) मुख्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने वाले असम गण परिषद के उम्मीदवार फणि भूषण चौधरी का आज पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, सांसद बीरेंद्र प्रसाद बैश्य, पार्टी के उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव आदि उपस्थित रहे। समारोह में केंद्रीय समिति के अधिकारी, विभिन्न जिलों के पदाधिकारी, आनुषांगिक इकाईयों के पदाधिकारी और वरिष्ठ-कनिष्ठ समर्थकों ने बैठक में कहा कि वह सहयोगी भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 1985 से बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र का आठ बार असम विधानसभा में फाणि भूषण चौधरी ने प्रतिनिधित्व किया है। उनके असम की राजनीति में एक मील का पत्थर स्थापित करने में सक्षम हैं। पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी सम्मान समारोह में नवनिर्वाचित सांसद चौधरी को बधाइयां दीं।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कई संगठनों के अलावा सेनाओं ने किया पौधरोपण

कोकराझाड़/गुवाहाटी/रंगिया/नगांव/विश्वनाथ/मेघालय (विभास/निंस)। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर कोकराझाड़ में तैनात 135 इकोलोजिक टास्क फोर्स ने पूरे क्षेत्र के चार प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस समारोह की शुरुआत एक ऐसी पहल से हुई जो इस क्षेत्र की अपनी प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता से गहराई से जुड़ी हुई थी-चक्रशिला वन्यजीव अभयारण्य परियोजना में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत। इस प्रयास में कोकराझाड़ नगर निगम बोर्ड की अध्यक्ष प्रतिभा ब्रह्म, कोकराझाड़ नगर पालिका के सदस्य और एनजीओ ने संयुक्त रूप से मिल कर 500 पौधे लगाए गए। इसके बाद डीपीएस ढालीगांव और बीजीआर हाई स्कूल, बंगाईगांव के शिक्षकों और छात्रों के साथ-साथ आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में भाग लिया और करीगांव में यूनिट के हर्बल गार्डन प्रोजेक्ट में पौधारोपण में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया बल्कि युवा पीढ़ी में जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना भी पैदा की, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि स्थिरता की मशाल हमारे ग्रह के भविष्य के संरक्षकों को सौंपी जाए। इसके बाद उन्होंने बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद के वन विभाग द्वारा कचुगांव में आयोजित समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम में बिटिआर के कार्यकारी सदस्य रंजित बसुमतारी, विल्सन हसदा, सुमन महापात्रा, आईएफएस, एडिशनल पीसीसीएफ और सीएचडी वन, भानु सिन्हा, डीएफओ कचुगांव और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी उपस्थित थे और पोधा लगाया गया। जैसे-जैसे दिन समाप्त होने लगा, समारोह का समापन एक शक्तिशाली और प्रतीकात्मक स्वच्छ कोकराझाड़ मार्च के साथ हुआ, जिसे श्रीमती प्रतिभा ब्रह्म ने बीटीसी सचिवालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और टीटागुड़ी आर्मी कैंप पर इसका समापन हुआ। यह मार्च समुदाय की सामूहिक भावना का प्रमाण था, जिसमें विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्र और शिक्षक, 6वीं एसएसबी बटालियन के अधिकारी और जवान और स्वयंसेवक उपस्थित थे। अपने समापन भाषण में, श्रीमती ब्रह्म ने स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए एकजुटता के पूरे दिल से प्रदर्शन के लिए 135 इकोलोजिक टास्क फोर्स यूनिट, एसएसबी और स्कूलों के प्रयासों की सराहना किए। **मेघालय** से हमारे संवाददाता के अनुसार विद्या भारती से सम्बद्ध मेघालय शिक्षा समिति द्वारा गारो, खासी-जयंतिया विभाग में संचालित विद्यालयों में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित। इस अवसर पर सामाजिक सहयोग से विद्यालयों में वृक्षारोपण किया गया। छात्रों ने कला प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित चित्र बनाए। समिति द्वारा संचालित 10 विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। किआंग नांगबाह विद्यालय मुखला, वेस्ट जयंतिया हिल्स के समारोह में विभाग निरीक्षक विकास शर्मा ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया विश्व में प्रकृति के क्षरण से ही ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं हो रही हैं। हमारे पूर्वज नदी, पेड़, पहाड़, गांवों की पूजा के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण करते थे। प्रकृति पूजा कोई आडंबर नहीं बल्कि संरक्षण का माध्यम है। प्रकृति सदा प्रदान करती है, हमें इसके दोहन से बचना चाहिए। श्री कांची कामकोटि विद्या भारती विद्यालय शिलांग में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा छात्रों के साथ वृक्षारोपण सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। गरूडाचल विद्यापीठ बेलवारी, आमपाती सहित निक्किकोना एवं तिकरीकिला में भी बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्वनाथ चारिआलि मारवाड़ी सम्मेलन शाखा द्वारा आज विभिन्न कार्यक्रम के साथ विश्व परिवेश दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के पदाधिकारीगण विश्व पर्यावरण के साथ संबंध रखकर विश्वनाथ व राज्य के जाने पर्यावरणविद कुमुद बरुवा को उनके निवास स्थान में जाकर विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। इसके बाद शाखा पदाधिकारीगण पर्यावरणविद कुमुद बरुवा को फुलाम गामोछा और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष छत्तर सिंह पवार, उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, सचिव संदीप अग्रवाल, सह सचिव जय गोयनका, सलाहकार जगदीश अग्रवाल आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सम्मानित कुमुद बरुवा ने विश्वनाथ तथा शोणितपुर जिले के राष्ट्रीय मार्ग के दोनों किनारे पेड़-पौधे लगाकर को शहर को हरियाली बनाने में अहम भूमिका निभाई है। श्री कुमुद अपने उम्र को नजरअंदाज करते हुए भी अपने जीवन को पर्यावरण के लिए समर्पित किए है। उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। तत्पश्चात शाखा के पदाधिकारगण विश्वनाथ जिला कारगार में उपस्थित होकर 10-15 वृक्षारोपण की। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर माहेश्वरी युवा संगठन नगांव शाखा द्वारा शहर के लगभग 60 घरों में जाकर वृक्षारोपण हेतू पौधो का वितरण कर लोगो को जागरूक किया और कहा कि वृक्षारोपण पृथ्वी के लिए कितना महत्वपूर्ण है, इसके महत्व पर चर्चा की। संगठन के अध्यक्ष नितिन मुंदड़ा व कार्यक्रम संयोजिका विशाखा धूत ने पर्यावरण पर प्रकाश डाला व सचिव पूजा माहेश्वरी ने शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम की शुरुआत नगांव जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व सचिव व वरिष्ठ पत्रकार अजित माहेश्वरी के घर से की गई। श्री माहेश्वरी दम्पती ने पौधे को ग्रहण करते हुए माहेश्वरी युवा संगठन नगांव को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि इस कार्यक्रम से निश्चय ही लोगो को जागरूक बनने में बल मिलेगा। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष नितिन मुंदडा, सचिव पूजा माहेश्वरी, प्रोजेक्ट चेयरमैन विशाखा धूत, को-प्रोजेक्ट चेयरमैन यश काबरा, कुमकुम सोनी, पवन बागडी, नीतू धूत, संगठन के सलाहकार श्याम झंवर, अमीत सोनी, विद्या प्रकाश धूत, अमीत बिहानी, मारुत कर्वा, कोषाध्यक्ष हिमांशु मनिहार, डिंपल दरक, मनीष माहेश्वरी, मुस्कान झंवर और गौतम मुंदड़ा उपस्थित थे। चार दिवसीय श्री शांतिनाथ भगवान का जन्म-तप व मोक्ष कल्याणक महोत्सव संपन्न गुवाहाटी: स्थानीय आठगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय (अंतर्गत श्री दिगंबर जैन पंचायत, गुवाहाटी) में जबलपुर (म.प्र.) से पधारी गायकार श्रीमती प्रीति जैन एवं स्थानीय पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के सानिध्य में संगीत लहरियों के सगं जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का जन्म,तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आज प्रात: 5:00 बजे श्रीजी का अभिषेक एवं 1008 कलशौ से 1008 सौभाग्यशाली पात्रों ने कलशाभिषेक कर पुण्यार्जन किया। तत्पश्चात श्रीजी को पालकी में विराजमान कर ढोल - नगाड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस आयोजन स्थल में पहुंची, जहां श्रीजी की पूजा-अर्चना एवं श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के बच्चे, पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्मस्थल में आठगांव व्यवस्थापक समिति द्वारा वात्सल्य भोजन की व्यवस्था की गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मनोज कुमार विनायकिया एवं शैलेंश कुमार गंगवाल आदि के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में आठगांव चैत्यालय व्यवस्थापक समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी समिति द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। **गुवाहाटी** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा ने हाईकोर्ट दीघलीपुखरी चौराहे पर प्रात: भ्रमण पर आए भ्रमणकारियों को फूल ओर फल के 150 पौधे वितरण किए। पौधों में कई तरह के फुल, तुलसी, आम, अमरूद, तांबुल, नीम इत्यादि प्रजाति शामिल थी। इस अवसर पर कामरूप शाखा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए दीघलीपुखरी पार में बैनर भी लगाए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थापक अध्यक्ष सम्पत मिश्र, निवर्तमान अध्यक्ष एवं प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, मंत्री संजय खेतान, संजय अग्रवाल, विजय भीमसरिया, अखिलेश महेश्वरी, राजेश जाजोदिया, नारायण गट्टाणी, बिसंभर शर्मा, बाबूलाल नवलखा, खुशबु वर्मा, सुनीता गुप्ता आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम संयोजक राजेश अग्रवाल और संतोष जैन ने उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे *मेरी लॉइफ एम्पलिफिकेशन योजना-2024* के तहत रंगिया के मोरानजना स्थित 24वीं वाहिनी द्वारा समस्त सीमा चौकियों में स्थानीय लोगों व विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण कार्यक्रम चलाया। कार्यक्रम के दौरान बल वाहिनी के कमांडेट दीपक सिहं द्वारा बल के सभी कार्मिको को पर्यावरण की देखभाल और इसके बचाव के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बल वाहिनी के कमांडेट दीपक सिहं और अन्य अधिकारियो सहित बल कार्मिको द्वारा पौधारोपण किया गया। इस मौके पर कमांडेट दीपक सिहं ने कहा कि यदि पर्यावरण प्रदुषित हो तो यह हमारे स्वास्थ्य एवं दैनिक जीवन के लिए अत्याधिक घातक साबित हो सकता है। वृक्षो की अत्यधिक कटाई व उद्योगो के कचरे और वाहनों के अत्यधिक प्रदुषण फैलाने से हमारा पर्यावरण दिन-प्रतिदिन प्रदुषित होता जा रहा है जिससे आम जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होने ने सभी से आग्रह किया कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाना होगा। वहीं सभी ने यह शपथ ली कि हम अधिक से अधिक पौध रोपण करेंगें।

संपादकीय

अमेरिका में क्या जेल से राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोर्न स्टार का मुंह बंद रखने के लिए जो रकम दी थी, उसके लिए अपने व्यावसायिक रिकॉर्ड में लगातार हेरापेरी की। उन्हें भरोसा था कि वह कभी भी पकड़े नहीं जाएंगे लेकिन वह बच नहीं सके। राष्ट्रपति चुनाव से पहले अदालत के इस पैसले से अमेरिकी राजनीति में हलचल तेज है। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। हालांकि हश मनी मामले में ट्रंप अपनी अपील के बारे में योजना बना रहे हैं और 11 जुलाईं को सजा सुनाए जाने का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें जेल के साथ ही भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए। इस मामले में 11 चेक पर हस्ताक्षर किए गए और ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की वंपनी में जमा किए गए। आरोप है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने दस महीने तक उसे कईं चैक दिए। उन्होंने रिकार्ड में इसे लीगल फीस दिखाया। ट्रंप ने न्यूयार्व बिजनेस रिकार्ड में गलत जानकारी दी। 5 अप्रौल 2023 को पूर्व अमेरिकी मैनहेट्टन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए थे। ट्रंप और स्टॉमा की मुलाकात जुलाईं 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुईं थी। उस समय स्टॉमा महज 27 साल की थीं। बाद में दोनों डिनर पर मिले और दोनों में संबंध बने। अपनी किताब में स्टामा ने इसका जिव्रा किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्राचार अभियान ने जूरी के पैसले का स्वागत किया। बाइडन और हैरिस 2024 कम्युनिकोसन के निदेशक माइकल टायलर ने कहा हमने न्यूयार्व में देखा कि कानून से ऊपर कोईं नहीं है। पोर्न स्टार को पैसे के भुगतान को छिपाने के दोषी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति की उम्मीदवारी पर कोईं खतरा नहीं है। अगर उन्हें 5 नवम्बर से पहले जेल की सजा भी हो जाती हैं जब भी वह चुनाव लड़ सवेंगे। 15 नवम्बर को होने वाले चुनाव में ट्रंप अगर जीतते हैं तो उन्हें जेल में ही शपथ दिलाईं जा सकती है। आपराधिक मामलों में सजा के लिए कोर्ट ने 11 जुलाईं की तिथि तय की है। हालांकि ट्रंप ने कोईं हिसक अपराध नहीं किया है। वे पहली बार दोषी पाए गए हैं। अमेरिका में यह दुर्लभ है कि बिना किसी आपराधिक इतिहास वाले लोगों को केवल व्यावसायिक रिकार्ड में हेरापेरी करने के लिए न्यूयार्व में जेल की सजा सुनाईं जाए। जुर्माने की सजा अधिक आम है। ट्रंप ने उनके खिलाफ पैसला सुनाए जाते ही कहा, यह शर्मनाक है। यह एक विवादित न्यायाधीश की ओर से की गईं दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाईं थी। असली पैसला 5 नवम्बर को लोग सुनाएंगे। वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोईं जानता है कि यहां क्या हुआ। मैं निदरेष हूं। मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं। मैं अपने संविधान के लिए लड़ रहा हूं। हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि बाइडन प्राशासन ने अपने राजनीतिक प्रातिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा किया है। वहीं बाइडन ने जूरी के पैसले का स्वागत किया है।

> ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए। इस मामले में 11 चेक पर हस्ताक्षर किए गए और ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की वंपनी में जमा किए गए। आरोप है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने दस महीने तक उसे कईं चैक दिए। उन्होंने रिकार्ड में इसे लीगल फीस दिखाया। ट्रंप ने न्यूयार्व बिजनेस रिकार्ड में गलत जानकारी दी। 5 अप्रौल 2023 को पूर्व अमेरिकी मैनहेट्टन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए थे। ट्रंप और स्टॉमा की मुलाकात जुलाईं 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुईं थी। उस समय स्टॉमा महज 27 साल की थीं। बाद में दोनों डिनर पर मिले और दोनों में संबंध बने। अपनी किताब में स्टामा ने इसका जिव्रा किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्राचार अभियान ने जूरी के पैसले का स्वागत किया।ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए।

भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी

जीत के नये मानक गढ़ती भाजपा और निस्तेज होता विपक्ष

ललित गर्ग

> मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवडियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इन सर्वेक्षणों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालते हुए पूर्व के सारे रिकार्ड को ध्वस्त कर देंगे। मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवडियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें। कोई भी एग्जिट पोल चुनाव परिणाम तो नहीं होता, लेकिन बातों ही बातों में चुनाव परिणामों की ओर इशारे कर जाता है, जो अक्सर समय की कसौटी पर सही साबित होते आये हैं, वास्तविक नतीजे मंगलवार 4 जून को देर शाम तक प्राप्त हो पाएंगे। जिसमें भाजपा एक बार फिर सारे मिथक तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी। भाजपा न केवल अपनी सरकार बचाते हुए दिख रही है बल्कि भारत को एक नये युग में ले जाने के लिये प्रतिबद्ध दिख रही है। निश्चित ही सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने के लिये भाजपा एक लहर बन चुकी है और इस लहर ने पूरे मुल्क के स्वाभिमान को एक नई ऊंचाई दी है।

अब भारत का मतदाता परिपक्व हो चुका है, उसे जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर गुमराह नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र जिस रूप में सशक्त हो रहा है, उसी के अनुरूप राजनीतिक चरित्र को गढ़ना होगा, उसके प्रति भी राजनीतिक दलों को एहसास कराना होगा, जहां से राष्ट्रहित, ईमानदारी और नए मनुष्य की रचना, सशक्त अर्थव्यवस्था एवं विकास की तीव्र रफ्तार, खबरदार भरी गुहार सुनाई दे। कोई भी दल हो, अगर ये एहसास नहीं जागता है तो मतदाता दिखा देता है उनको शीशा, वही छीन लेता है उनके हाथ से दियासलाई और वही उतार देता है सत्ता का मद। कहने का मतलब सिर्फ इतना सा है कि देश की सियासी फिजां को बदलने में विपक्षी दलों को अधिक ईमानदार, जिम्मेदार एवं पारदर्शी होना होगा। विपक्ष दल अपनी जिम्मेदारियां से भागते हुए देश से ज्यादा दल को महत्व देने का परिणाम इन चुनाव में देख लिया है। भाजपा की तुलना में अन्य दलों पर दाग ज्यादा और लम्बे समय तक रहे हैं। इन दलों को न केवल अपने बेदाग होने के पुख्ता प्रमाण देना होगा, बल्कि जनता के दर्द-परेशानियों को कम करने का रोड मेप तैयार करते हुए अपना विपक्षी होने के धर्म को निभाना होगा, तभी वे आदर्श विपक्ष के हकदार बन सकेगे।

हमने इन चुनावों में देखा है कि केवल झूठे आश्वासनों से मतदाता को गुमराह करने के दिन अब लद गये है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि विभिन्न विपक्षी दल अपने को, समय को, अपने भारत को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को पहचानने वाला साबित नहीं कर पाये हैं। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, उसने चौदह गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। देश को बांटने एवं तोड़ने वाले मुद्दे कब तक भाप बनते रहेगे? भाजपा को चुनौती देनी है तो विपक्षी दलों को अपना चरित्र एवं साख दोनों को नये रूप में एवं सशक्त रूप में प्रस्तुति देनी होगी। अन्यथा इन लोकसभा चुनावों की तरह आगे के जितने भी चुनाव होंगे उनके चुनाव परिणाम इसी तरह निराश करते रहेंगे। इससे विचित्र और हास्यास्पद और कुछ नहीं कि कांग्रेस समेत अन्य इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एक ओर जोर-शोर से यह दावा करने में लगे हैं कि उनके गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 295 सीटें मिल रही हैं, सपा नेता अखिलेश उत्तरप्रदेश में 80 में 79 सीटों पर जीत का दावा किया, जब एग्जिट पोल ने उनके इन दावों की पोल खोल दी, आज घोषित हो रहे चुनाव परिणामों में भाजपा जब ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है तो विपक्षी दलों के नेता मतगणना में गड़बड़ी की निराधार आशंकाएं जताकर भ्रम फैलाने में लगे हैं। भ्रम फैलाने की इसी कोशिश के तहत कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने यह अनर्गल दावा किया कि मतगणना को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने देश के 150 जिलों के जिलाधिकारियों को फोन किया है। उन्होंने यह बेतुका आरोप लगाते हुए यह समझा होगा कि इससे उन्हें एक फर्जी नैरेटिव खड़ा करने में मदद मिलेगी और उनकी हार पर पर्दा पड़ जायेगा। यह विडम्बना एवं विसंगति विपक्षी दलों को मजबूत करने की बजाय लगातार कमजोर ही कर रही है। वैसे भी भारत में जितने भी राजनैतिक दल हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता प्राप्ति की होड़ में सभी एक ही संस्कृति को अपना लेते हैं। मूल्यों की जगह कीमत की और मुद्दों की जगह मतों की राजनीति करने लगते हैं। चुनावों की प्रक्रिया को ही नहीं, चुनाव मतगणना की प्रक्रिया को भी विपक्षी राजनैतिक दलों ने अपने स्तर पर भी कीचड़ भरा कर दिया है। ऐसा स्वकल्याण की सोचने वाला विपक्ष किस तरह लोक कल्याण के मुद्दों को बल देगा? बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को नैतिकता के पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए। जीत किसी भी दल को मिले, लेकिन लोकतंत्र को शुद्ध सांसें मिलनी ही चाहिए। कुल मिलाकर लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत से तो पार्टी के हौसले स्वाभाविक रूप से बढ़े। इसके अलावा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस कमजोर होती दिखी, कमजोर ही क्या उसका तो लगभग सफाया ही होता जा रहा है। कांग्रेस के निष्प्रभावी केन्द्रीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस के कई कद्दावर नेता अलग हो गए। उससे भी भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। इस बार कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी कमजोर पार्टी बनकर उभरी है। उसकी कमजोरी न केवल राजनीतिक स्तर पर बल्कि मानसिक स्तर पर स्पष्ट दिख रही है। कांग्रेसी एवं विपक्षी नेताओं की हरकतों से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वे अपनी संभावित हार का ठीकरा चुनाव आयोग, मीडिया आदि पर फोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। यही कारण है कि उन्होंने एक्जिट पोल के नतीजों को न केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि उन्हें भाजपा प्रायोजित भी करार दिया। एक्जिट पोल को लेकर कांग्रेस इतनी दुविधाग्रस्त थी कि पहले उसने टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चा का बहिष्कार करने का फैसला किया और फिर फजीहत होती देखकर उसमें शामिल होने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि लोगों ने राजग सरकार को फिर से चुनने के लिए रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया है। क्योंकि लोगों ने हमारी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों के जीवन में गुणात्मक सुधार आया है।

दृष्टि कोण

नई सरकार का एजेंडा क्या हो? देश की बेहतरी के लिए बने उचित नीतियां

हालांकि भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन भू-राजनीतिक कारणों से अब भी झटके लगने की आशंका एवं अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। एक मुक्त अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत इससे अछूता नहीं है। हालांकि मूडीज और एस एंड पी जैसी प्रतिष्ठित क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के अलावा, विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने भारत की विकास दर की तारीफ की है। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। इसलिए नई सरकार का व्यापक एजेंडा घरेलू और बाहरी क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय) के लिए उचित नीतियों के माध्यम से भारत की क्षमता को बेहतर बनाने में मददगार होना चाहिए। घरेलू क्षेत्र की नीतियों के तहत सरकार का ध्यान निजी निवेश बढ़ाने और सार्वजनिक कर्ज घटाने पर केंद्रित होना चाहिए। बाहरी क्षेत्र की नीतियों को उन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो व्यापार के खुलेपन पर प्रतिबंध लगाए बिना भारत के लिए वैश्विक झटकों के जोखिम को कम करे। अब हम कुछ ऐसे क्षेत्रों की चर्चा कर रहे हैं, जिन पर नई सरकार अपना ध्यान केंद्रित करना चाहेगी। भारत की राष्ट्रीय समृद्धि अलग-अलग राज्यों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। आर्थिक समृद्धि के लिए केंद्र सरकार का काम नीति एवं विश्वास का एक सक्षम ढांचा तैयार करना है। आर्थिक सुधार के 25 वर्ष बाद यह स्पष्ट है कि केंद्र एवं राज्यों की आर्थिक नीति संबंधी कार्रवाइयां लोगों की आर्थिक नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। देश के आर्थिक विकास और प्रगति के लिए आने वाली सरकार को विकास एवं समृद्धि का लाभ उठाने की खातिर केंद्र-राज्य संबंधों को और मजबूत बनाना होगा। वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों ने आर्थिक विकास में राज्यों की भूमिका को व्यापक तरीके से बढ़ाया। यह प्रक्रिया आज भी जारी है। उसके बाद आने वाली सभी सरकारों ने इस प्रक्रिया को और मजबूत ही बनाया है। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहद सामंजस्यपूर्ण रिश्ते देश के लोगों की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालांकि हाल के महीनों में विभिन्न मुद्दों पर हमने केंद्र और राज्यों के रिश्तों में तनाव देखा है। बेशक, इनमें से कुछ मुद्दे चुनावी मौसम होने के कारण हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता तथा केंद्र एवं राज्यों की विषम शक्तियां ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका समाधान एक संघीय देश को हमेशा करने की आवश्यकता होती है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यदि इनका समाधान न किया जाए, तो ये जरूर असामान्य हो सकते हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच चर्चा, बहस और बातचीत के लिए इस तरह से एक संस्थागत ढांचा तैयार किया जाना चाहिए कि वह केंद्र-राज्य संबंधों के सभी मुद्दों का भरोसे के आधार पर समाधान सुझाए। हमारे देश का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। वर्ष 2030 तक शहरी आबादी के मामले में भारत सबसे ज्यादा शहरीकृत देशों में से एक होगा। चूंकि तेज शहरीकरण के साथ-साथ विस्थापन भी तेजी से बढ़ेगा, इसलिए तेज शहरीकरण के लिए जरूरी संसाधनों के वित्तपोषण की खातिर उचित तरीके के बारे में सोचने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था और समाज में दूरगामी बदलावों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान महत्वपूर्ण है और इसे रणनीतिक जरूरत ही माना जाना चाहिए। शहरीकरण का लाभ उठाने और चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक निवेश संबंधी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। नई सरकार को नए शहरी विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। साझा बाजार के विकास, उच्च आर्थिक विकास और राजस्व के मामले में जीएसटी का व्यापक लाभ उठाने के लिए जीएसटी संरचना के ढांचे को और ज्यादा सरल बनाने की जरूरत है। दो-दर वाली जीएसटी संरचना तैयार करने के लिए जीएसटी ढांचे में और सुधार की खातिर परामर्श प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। असल में, जीएसटी ढांचे में परिवर्तन केवल जीएसटी परिषद में ही किया जा सकता है। इसलिए इस दिशा में कदम उठाना जीएसटी ढांचे को सरल बनाने के दीर्घकालीन समाधान के लिए फायदेमंद होगा। नया जीएसटी ढांचा इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिसका आधार व्यापक हो, लेकिन कर की दर कम हो। यह आसान काम नहीं है। राजस्व और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ऐसे बदलावों के निहितार्थ को समझने के लिए प्रमुख नीति विश्लेषण एवं आम सहमति बनाने की जरूरत होगी। चूंकि भारत व्यापक आर्थिक समृद्धि हासिल करने की ओर तेजी से अग्रसर है, इसलिए देश में बढ़ती आर्थिक असमानता से निपटने के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। इसके लिए सरकारी खर्च को अधिक से अधिक पुनर्वितरित करने की आवश्यकता है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान विरासत में मिली संपत्ति पर कर लगाने के बारे में काफी चर्चा हुई, लेकिन विभिन्न देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि संपत्ति पर कर लगाकर प्रगति की गुंजाइश बहुत कम है। इस मामले में भारत का अपना अनुभव भी बहुत अच्छा नहीं है। इसलिए व्यापक आधार पर सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सरकारी खर्च के पुनर्वितरण पर ध्यान केंद्रित करना ज्यादा मददगार साबित होगा। अंत में, नई सरकार का दीर्घकालीन एजेंडा प्रौद्योगिकी में निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार व उसका विनियमन करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने के लिए उचित नीतिगत ढांचा तैयार करने पर केंद्रित होना चाहिए, ताकि भारत को वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनाए रखा जा सके।

कुछ अलग

कान्स ने खोले सफलता के द्वार; अब लोगों की बन रहीं नैन्सी

फ्रांस में हुआ कान्स फिल्म फेस्टिवल इस बार इसलिए बेहद खास रहा कि इसमें उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव बरनावा की तेईस साल की लड़की नैन्सी त्यागी ने सफलता के झंडे गाड़ दिए। इसे वहां ब्रूट एजेंसी की तरफ से भेजा गया था। बेहद गरीब परिवेश से आई इस लड़की को कपड़े सिलने का बेहद शौक है। यह तमाम सेलिब्रिटीज को देखकर कपड़े सिलती थी और उसके फोटो इंस्टाग्राम पर लगाती थी। शुरू में उसे बहुत ट्रोल भी किया गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। धीरे-धीरे इसकी फैन फॉलोइंग बढ़ी और आज इसके साढ़े आठ लाख फॉलोअर्स हैं। अब हो सकता है और भी बढ़ गए हों। नैन्सी ने कान्स में गुलाबी रंग का जो गाउन पहना, उसे उसने खुद सिला था। इसमें एक हजार मीटर कपड़ा और बनाने में एक महीना लगा। जिस कान्स में बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटीज दुनिया के मशहूर डिजाइनर्स के बेहद महंगे कपड़े पहनती हैं, वहां नैन्सी ने खुद का सिला गाउन पहनकर सबको चकित कर दिया। मशहूर अभिनेत्री सोनम कपूर ने कहा कि वह उसके लिए भी कपड़े सिले। नैन्सी ने फ्रांस में भी पत्रकारों के सवालों के जवाब हिंदी में ही दिए और हिंदी भाषी होने पर गर्व प्रकट किया। उसने कहा कि कम से कम उसे हिंदी तो आती है। उसका कहना है कि अंग्रेजी न आने पर भी वह वहां जा सकी, जहां जाने के सपने बहुत से लोग देखते हैं। शुरू में उसके पिता ने उसका विरोध किया था, मगर कान्स की सफलता के बाद अब वह भी उसका हौसला बढ़ाने लगे हैं। बताते चलें कि नैन्सी के पिता टीवी मैकेनिक हैं और मां एक फैक्टरी में काम करती हैं। उसका कहना था कि मां की हाड़-तोड़ मेहनत उससे देखी नहीं जाती थी। नैन्सी को लगता था कि कहीं मां का स्वास्थ्य न खराब हो जाए। वह उनके लिए ही कुछ करना चाहती थी। नैन्सी बारहवीं के बाद दिल्ली आ गई थी। वह यूपीएससी करना चाहती थी, मगर पैसे की तंगी के साथ अंग्रेजी न आने की समस्या भी थी। हालांकि उसे बाद में यह भी पता चला कि यूपीएससी की परीक्षा हिंदी में भी दी जा सकती है। लेकिन एक बार में चयन हो जाए, यह जरूरी नहीं है। वैसे भी गांव वाले माता-पिता से कहते रहते थे कि क्या लड़की पर पैसे खर्च कर रहे हो, लड़के पर करो। मगर नैन्सी ने एक कैमरा खरीदा और सोशल मीडिया का रुख किया और सहारा लिया अपने शौक यानी कपड़ों को सिलने का। बचपन में वह गुड़ियों के लिए कपड़े बनाती थी, फिर अपने लिए बनाने लगी। नैन्सी की मदद करने के लिए उसकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए। उसका कहना है कि उसकी मां ने हमेशा उसे बहुत सहारा दिया। इसलिए वह भी उनके लिए कुछ करना चाहती है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो सिलाई मशीन उसका सबसे बड़ा सहारा बनी। भारत में अरसे से सिलाई मशीन की सहायता से न जाने कितनी महिलाओं ने अपना और अपने परिवार का पेट पाला है। पति के न रहने पर बहुत-सी महिलाएं कपड़े सिलकर अपना गुजारा करती रही हैं। ऐसी बहुत-सी महिलाओं को मैं निजी तौर पर जानती हूं। कई तो रिश्ते में भी हैं। एक जमाने में सिलाई मशीन कंपनियां महिलाओं को कपड़े सिलना सिखाने के लिए स्कूल भी चलाती थीं। नैन्सी के मामले में सिलाई मशीन ने उसकी गरीबी तो दूर की ही, उसके सपनों को भी पूरा किया। यह बात भी उसके अभूतपूर्व आत्मविश्वास को दर्शाती है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में खुद के बनाए कपड़े पहने और खूब प्रशंसा हासिल की।

देश दुनीया से

नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

> नरेंद्र मोदी सरकर को सर्व-धर्म प्रभुता की ओर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए। इतिहासकारों का विभिन्न प्रकार का विश्लेषण भी राजनीतिक पथ प्रदर्शक है। नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री मैंने पिछले दिनों अपनी रिसर्च टीम के साथ काफ़ी शोधकार्यं किया कि लोक सभा - 2024, में कौन से राजनीतिक दल की विजय होगी। अनेक वरिष्ठ पत्रकारोंस्तंभकारों से भी डाटा एकत्रित किया। डॉ. कबीर सिद्दीकी, प्रधान संपादक; आलमी टीवी व मीडिया समूह, के साथ मिलकर, भारतीय संसद - 2024 के लिए एग्ज़िट पोल का विश्लेषण किया गया है। चुनावों के लिए क्या भविष्यवाणी है? मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूँ कि भाजपा को 18वीं लोकसभा में दो तिहाईं बहुमत मिलेगा और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री होंगें।

भारतीय प्रजातंत्र में चुनाव, जनता के लिए उत्सव है। जवाहर लाल नेहरू, 17 वर्षो तक भारत के प्रधान मंत्री रहे। 1947 में स्वतंत्रता उपरांत नेहरू ही प्रधान मंत्री बने। अब मोदी युग में, भाजपा की विजय लगातार हो रही है और आज़ादी का अमृत काल लागू है। नरेंद्र मोदी सरकर को सर्व-धर्म प्रभुता की ओर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए। इतिहासकारों का विभिन्न प्रकार का विश्लेषण भी राजनीतिक पथ प्रदर्शक है। नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री मैंने पिछले दिनों अपनी रिसर्च टीम के साथ काफ़ी शोधकार्यं किया कि लोक सभा - 2024, में कौन से राजनीतिक दल की विजय होगी। अनेक वरिष्ठ पत्रकारोंस्तंभकारों से भी डाटा एकत्रित किया। डॉ. कबीर सिद्दीकी, प्रधान संपादक; आलमी टीवी व मीडिया समूह, के साथ मिलकर, भारतीय संसद - 2024 के लिए एग्ज़िट पोल का विश्लेषण किया गया है। चुनावों के लिए क्या भविष्यवाणी है? मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूँ कि भाजपा को 18वीं लोकसभा में दो तिहाईं बहुमत मिलेगा और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री होंगें। यह भारत के राजनीतिक इतिहास में एक विशेष क्षण होगा। मैंने दूरदर्शन पर चुनाव विश्लेषण कार्यंव्राम शुरू किये थे। दूरदर्शन समाचार की पथप्रदर्शक के रूप में, मेरे अनुसार वुछ ऐसे कारक हैं जो भाजपा-एनडीए को बढ़त दिलाते हैं। मुख्य कारक यह है कि कोईं भी ठोस विपक्षी दल नहीं है। लोग समझ सकते हैं कि इस विपक्षी गठबंधन के पास कोईं मुद्दा या एजेंडा भी नहीं है। यह ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगा। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों के पूर्वानुमानों पर राजनीतिक विश्लेषण अलग-अलग हैं, लेकिन देश के 18वें आम चुनाव में 543 में से 343 सीटें से अधिक भाजपा को मिलेंगीं। भारतीय जनता पाटा (भाजपा) का नेतृत्व मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। जनता आईं.एन.डी.आईं.ए. गठबंधन विपक्षी दलों की तुलना में, बीजेपी-एनडीए पर अधिक भरोसा करेंगें, क्योंकि वे आम आदमी के लिए एक व्यवहार्यं वैकल्पिक नेता, नीतियाँ व एजेंडा प्रदान करने में विफल रहे हैं। 01 जून को शाम 6 बजे से अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्ज़िट पोल जारी किए गए। हम तथ्यात्मक रूप से यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि भाजपा- एनडीए को बढ़ोतरी मिलेगी। मैंने स्पष्ट रूप से देखा है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बनाएगा। यह मेरी रिसर्च का विषय था, व मैं अपनी टीमों द्वारा किए गए ज़मीनी सव्रेक्षण व साक्षात्कारों के आधार पर यह बात दृढ़ता से कह सकती हूं। मैं ऐसा इसलिए भी कह रही हूँ, क्योंकि वेंद्र में मौजूदा भाजपा सरकार को 2024 के लोकसभा चुनावों में न तो कोईं खास असंतोष का सामना करना पड़ रहा है और न ही विकल्प की कोईं मज़बूत मांग है। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक प्रशांत किशोर ने भी इसी तरह का आंकलन किया है। दरअसल राजनीतिक दलों द्वारा किए गए हमले व्यक्ति वेंद्रित रहे। आम आदमी से जुड़े वास्तविक मुद्दे विपक्ष के वादों से गायब थे। मुझे पूरा विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सत्ता में वापस आ रही है। उन्हें 2019 के चुनावों के लगभग बराबर या उससे थोड़े अधिक नंबर मिलेंगें। नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपना तीसरा कार्यंकाल सुनिाति करेंगें। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिह ने यह आरोप लगाया है कि श्री नरेंद्र मोदी ने नफरत भरे शब्दों से प्रधानमंत्री कार्यालय की गरिमा को ठेस पहुंचाईं है। डॉ. मनमोहन सिह का, केवल नरेंद्र मोदी के लिए, ऐसा कहना एक व्यत्तिपरक ब्यान है। दरअसल, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, ममता बनजा, केजरीवाल, तपस्वी और लालू यादव द्वारा, कांग्रेस के लिए किया गया अभियान भी उतना ही नफरत भरा था। नरेंद्र मोदी पर विपक्षी परटियों के समूह ने जमकर हमला किया था। सच तो यह है कि सार्वजनिक चर्चा काफ़ी हद तक ख़राब हो गईं है, इसलिए यह किसी एक व्यत्ति के लिए नहीं कहा जा सकता। हालांकि भाजपा के भीतर वुछ असंतोष है, लेकिन इसके ख़िलाफ कोईं व्यापक गुस्सा नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा के प्रमुख नेता, नरेंद्र मोदी को किसी भी तरफ से कोईं चुनौती नहीं मिली। क्या भाजपा का अबकी बार 400 पार का नारा सच होगा? भाजपा एक चतुर पाटा है! उन्होंने मतदाताओं में उत्साह पैदा करने के लिए 400ऋ्रका नारा दिया। उन्हें पता है कि उन्हें इससे कम सीटें मिलेंगीं, लेकिन वे सरकार बनाएंगें, इसलिए यह कोईं खास बात नहीं है। राजनीति में धारणा और प्रक्षेपण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विपक्षी गठबंधन को 200 से 210 सीटें मिलेंगीं, जो संसद में भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करेंगी। इसलिए, हमें देखना होगा कि भाजपा को 272ऋ्र बहुमत का आंकड़ा मिलता है या नहीं। राजनीति और चर्चा जारी रहेगी। भाजपा के पास वर्तमान में पूर्व और दक्षिण में 240 में से 50 से भी कम सीटें हैं, जिसमें बिहार, पामि बंगाल, असम, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य शामिल हैं। पाटा की ताकत उत्तर और पामि से आती है, जहां इसने 300 में से 260-270 सीटें हासिल की हैं। इसके अलावा दक्षिण और पूर्व में भाजपा का वोट शेयर और सीटें बढ़ रही हैं। टिप्पणी करने वाले लोग ऐसा करते रहेंगें। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बीजेपी-एनडीए सत्ता में वापस आ रही है। नईं सरकार को किन क्षेत्रों पर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए? नरेंद्र मोदी सरकार 03 में किसानों से बातचीत करनी होगी। हरियाणा और दिल्ली ने बार-बार किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोका। लगातार होने वाले वृषि आंदोलन, रोज़गार, एफडीआईं, अस्पताल, मज़बूत विदेश नीति, आर्थिक पुनरुत्थान व वैश्वीकरण, राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और महिलाओं की सुरक्षा, वुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। फ़िर कौन से प्रमुख मुद्दे हैं जो नरेंद्र मोदी की शानदार वापसी सुनिाति करेंगें? क्या हिदुत्व एक महत्वपूर्ण कारक है? यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन, जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को खत्म करना और भाजपा- एनडीए सरकार द्वारा 'समान नागरिक संहिता' को लागू करना मतदाताओं की मानसिकता पर बहुत प्रभाव डालता है। इसके अलावा, ये भाजपा के एजेंडे में शुरू से ही प्रमुख मुद्दे थे। वास्तव में नरेंद्र मोदी ने ही इसे साकार किया। इसके अलावा उनके पास एक शत्तिशाली वत्तृत्व कौशल और भविष्य के लिए दृष्टि भी है। लोग उनसे जुड़ते हैं। बेशक हिदुत्व बहुत ज़्यादा वोट खींचने वाला है। अब इसमें कोईं संदेह नहीं है कि नरेंद्र मोदी अपनी राजनीतिक उपलब्धियों को मज़बूत करने की योजना बना रहे होंगें और भारत के वैश्विक एकीकरण के भविष्य पर ध्यान वेंद्रित करेंगें।

आप का नजरीया

साइबर दुनिया और चीनी साजिशें

कुछ स्वयंभू 'विशेषज्ञ' बता रहे हैं कि चीन महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाह रहा है, इसलिए उसके पास भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने का समय नहीं है। यह सरासर बकवास है। चीन यह बात अच्छी तरह से समझता है कि भारत को कमजोर किए बिना दुनिया पर वर्चस्व कायम करने की उसकी मंशा कभी पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए सैन्य से लेकर आर्थिक और मानचित्रण तक-वह भारत के खिलाफ हर तरह की आक्रामकता आजमाने का प्रयास करता है। उसके योजनाकार भारत के खिलाफ साजिश रचने पर काफी समय खर्च करते हैं। चीन की 'तीन युद्ध' रणनीति का काफी विश्लेषण किया गया है, जो झाउ वंश के रणनीतिकार सन त्जु की पुस्तक द आर्ट ऑफ वार से प्रेरित थी, खासकर बिना लड़े जीतने की उसकी अवधारणा, क्योंकि वह चीनियों की सीमित शारीरिक क्षमता से वाकिफ थे। चीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करना, सीमाओं को बदलना और वैश्विक (खासकर सोशल) मीडिया को नष्ट करना चाहता है। उसके पास सूचनाओं में हेरफेर करने वाली एक सेना है, और वह जहां तक संभव हो सके, अपने विरोधियों को भ्रमित करने के लिए उसका उपयोग करने की कोशिश करता है। आजकल एल्गोरिद्म एवं बॉट्स के साथ सोशल मीडिया में हेरफेर करना अपेक्षाकृत आसान हो गया है, जो इंटरनेट पर स्वचालित ढंग से असीमित 'व्यूज' और 'लाइक्स' पैदा कर सकते हैं, जिन्हें मानव गतिविधियों की तरह तैयार किया गया है। मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसा देखने को मिला है। वर्तमान सरकार के कुछ विदेश-समर्थित सोशल मीडिया आलोचक हैं, जिनके 'आधिकारिक' रूप से लाखों फॉलोअर्स हैं। चीन ने सोशल मीडिया के जरिये ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। लेकिन वह पकड़ा गया और उसने आहत होने का नाटक किया। मेटा जैसी दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी के सतर्क होने और दुर्भावनापूर्ण खातों को निष्क्रिय करने के बाद चीन (और उसका अनुयायी पाकिस्तान) सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले प्रमुख देश के रूप में उभरा है। यानी सोशल मीडिया को चीन ने पूरी तरह से एंटी-सोशल (असामाजिक) बना दिया। वर्ष 2020 में गलवान की घटना (जो चीन की भयंकर भूल थी) के बाद उसकी चर्चित सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) कागजी शेर साबित हुई। इसलिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अब गैर-पारंपरिक युद्ध करने की कोशिश कर रही है। उसके निशाने पर विशेष रूप से विदेश में बसा सिख समुदाय का एक छोटा-सा वर्ग है, जो भारत को अस्थिर करने के बारे में सोच रहा है। अपने पुराने पिछलग्गू पाकिस्तान के उकसावे में आकर चीन ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यही घिसी-पिटी रणनीति अपनाई। लेकिन कश्मीर में जब उसकी दाल नहीं गली और कश्मीर के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में जुड़ने के आर्थिक और राजनीतिक लाभ दिखने लगे, तो चीन ने अपना ध्यान विदेश में बसे कट्टरपंथी सिखों की तरफ लगाया।

बसपा अब काफी सोच समझकर मुस्लिम समाज को देगी मौका : मायावती

लखनऊ (हिंस)। लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कहा कि उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद मुस्लिम समाज बसपा को ठीक ढंग से समझ नहीं पाया। ऐसी स्थिति में अब काफी सोच समझकर आगामी चुनाव में मुस्लिम समाज को मौका दिया जाएगा ताकि भविष्य में पार्टी को इस बार की तरह भयंकर नुकसान न हो। मायावती ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पत्र में लिखा है कि इस बार पार्टी अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरी थी। उम्मीद यह थी कि ईमानदार कार्यकर्ता और पार्टी से जुड़े लोगों के बलबूते बेहतर परिणाम आएंगे। उनकी जाति के अधिकांश लोगों ने अपना वोट बसपा को दिया, जिसके लिए वे आभारी हैं। साथ ही पार्टी के खास

अंग मुस्लिम समाज, जो पिछले चुनाव में व इस बार भी लोकसभा चुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बसपा को ठीक से नहीं पा रहा है। अब ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझकर चुनाव में मौका दिया जाएगा ताकि भविष्य में पार्टी को इस बार की तरह भयंकर नुकसान न हो। मायावती ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव लगभग पूरे समय खासकर जोरदार गर्मी की तपिश से जनजीवन अस्तव्यस्त होने के कारण काफी प्रभावित रहा। विशेषकर गरीब तबकों व मेहनतकश लोगों के चुनावी उत्साह में भी काफी कुछ फर्क पड़ने के कारण उम्मीद के विपरीत, वोट प्रतिशत भी काफी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी चुनाव आयोग से शुरू से ही यह मांग करती आ रही है कि चुनाव बहुत लम्बा नहीं खिंचना चाहिए बल्कि आम लोगों के हितों के साथ-साथ चुनाव ड्यूटी में लगने वाले लाखों सरकारी कर्मचारियों एवं सुरक्षाकर्मियों आदि के व्यापक हित व सुरक्षा आदि को ध्यान में रखक यह चुनाव अधिक से अधिक तीन या चार चरणों में ही कराया जाना चाहिए।

जम्मू में दोनों सीटों की जीत का भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

जम्मू (हिंस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए जिसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जुगल किशोर शर्मा व डॉ. जितेंद्र सिंह तीसरी बार जीत अपने नाम की। इस मौके पर तमाम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी देखी गई। कटरा में डोल नगाड़े के साथ जीत का जश्न मनाया गया। वही इस मौके पर जिला हेड क्वार्टर पर भी भारतीय जनता पार्टी ने विजय रैली निकालकर जीत की खुशी मनाई। तमाम कार्यकर्ता एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशी व्यक्त की। हालांकि भारतीय जनता पार्टी 370 और 400 पर तो नहीं कर पाई लेकिन एनडीए को पूर्ण बहुमत देश की जनता ने एक बार फिर दिया है।

बसपा व ओवैसी की पार्टी से ज्यादा नोटा को वोट गोपालगंज में 42 हजार से अधिक वोटर्स ने दबाया नोटा

गोपालगंज (हिंस)। जिले के लोकसभा परिणामों में कई रोचक तथ्य भी सामने आए हैं, जिसमें गोपालगंज संसदीय सीट के लिए खड़े 9 प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट पड़े हैं। लोकसभा 24 के चुनाव में 42 हजार 863 मतदाताओं ने नोटा को चुना है। जिले के सभी विधान सभा क्षेत्र के पोलिंग बूथों में 42 हजार 863 लोगों ने नोटा का बटन दबाया है। ओवैसी और बीएसपी पार्टी के प्रत्याशियों को पड़े वोट से अधिक है। एआईएमआईएम के दीनानाथ मांझी को 29 हजार 992 जबकि बीएसपी के सुजीत कुमार राम को 29 हजार 272 वोट मिले है। जबकि चुनाव मैदान में 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिसमें जदयू के डॉ. आलोक कुमार सुमन को 5 लाख 11 हजार 866 वोट मिले। 1 लाख 27 हजार 180 वोट से वे अपनी जीत दर्ज कराया। वहीं दूसरे स्थान पर रहे वीआईपी पार्टी के प्रेम कुमार चंचल को 3 लाख 84 हजार 686 वोट मिले। अगर पिछले रिकॉड को देख जाए तो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नोटा को गोपालगंज में सर्वाधिक वोट मिले थे। तब 51, हजार 660 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना था और कुल मतों में से करीब 5 प्रतिशत वोट नोटा के खाते में गए थे। इस वर्ष में 2 प्रतिशत नोटा के वोट में कमी आई है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नोटा गोपालगंज सीट पर सर्वाधिक वोट मिले थे, तब 51, 660 मतदाताओं ने नोटा पर बटन दबाया था। इस बार भी बिहार में नोटा बटन पर सर्वाधिक वोट गोपालगंज लोकसभा सीट पर ही पड़े है। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नोटा में मिले वोट 42 हजार 713 समान्य है जबकि 150 पोस्टल बैलेट में शामिल है। अगर विधान सभा वार को देखा जाए तो गोपालगंज विधान सभा में 5667, कुचायकोट विधानसभा में 6884, भोरे विधानसभा में 8251, हथुआ विधानसभा क्षेत्र में 6527 बरौली विधानसभा क्षेत्र में 7072 और बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में 8312 वोट नोटा को मिली है। इस चुनाव में नोटा को करीब 42 हजार से ज्यादा वोट मिले। कह सकते हैं कि 42 हजार मतदाताओं ने अपना फर्ज निभाते हुए वोट तो दिया लेकिन उन्होंने किसी भी पार्टी या उनके उम्मीदवारों को इस लायक नहीं समझा कि वे उन्हें चुनें।

जालौर टफ सीट, वैभव ने अच्छा चुनाव लड़ा : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहना है कि चुनावों में हार जीत चलती रहती है, लेकिन हौंसले पस्त नहीं होने चाहिए। यह चुनाव जनता और एनडीए सरकार के बीच था। जनता ने बीजेपी के घमंड को तोड़ा है। ये अहम और घमंड की हार हुई है। मैंने नेताओं को विश्वास दिलाया था कि राजस्थान में चौंकाने वाले नतीजे आएंगे, वही हुआ। गहलोत जालोर-सिरोही-सांचौर संसदीय क्षेत्र के परिणाम, चुनावी अभियान व उद्देश्य पर मीडिया के प्रश्नों का उत्तर रहे थे। अपने पुत्र और जालोर से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत के जालोर सीट से चुनाव हारने पर पूर्व सीएम ने कहा कि जालोर सीट पहले से ही टफ सीट थी। गुजरात से सटी सीट है, वहां उसका प्रभाव है। वहां के लोग गुजराती भाषा भी समझते हैं। हमें पहले से ही पता था सीट टफ है,

लेकिन जिस तरह के हालात थे, उसमें वैभव गहलोत ने आगे बढ़कर चुनाव लड़ना स्वीकार किया। उस सीट पर 20 साल से कांग्रेस नहीं जीत पा रही है, हार जीत चलती रहती है। हमारी ड्यूटी बनती है कि हम टफ समय में पार्टी के साथ खड़े रहते, इसलिए वैभव को सोच समझकर लड़ाया। अब कोई न कोई तो चुनाव लड़ेगा ही। वैभव गहलोत ने चुनाव लड़ना स्वीकार किया, वहां अच्छा चुनाव लड़ा गया। लोकसभा सीट का घोषणा पत्र जारी किया गया। राजस्थान में कांग्रेस के बेहतर प्रर्शन के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने देर रात सोशल मीडिया पर लोकसभा चुनाव परिणाम में विजयी हुए कांग्रेस एवं आईएनडीआईए गठबंधन के समस्त प्रत्याशियों को बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एवं ने पूरे देश में प्रचार कर कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत किया है और लोगों का असीम स्नेह प्राप्त किया है। साथ ही, राजस्थान में कांग्रेस एवं गठबंधन के पक्ष में आए हुए परिणामों के लिए हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं और जनता का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जनता ने जो विश्वास हमारे उम्मीदवारों पर जताया है, वे उस पर खरा उतरते हुए सदैव जनसेवा में समर्पित रहेंगे।

महागठबंधन की सरकार बनने पर संविधान की रक्षा होगी : डॉ. तारानंद सादा

सहरसा (हिंस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य सह स्टार प्रचारक डॉ. तारानंद सादा ने लोकसभा चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी जी भले एनडीए की वैशाखी वाली सरकार बना लें, लेकिन मोदीजी ने देश की सविधानिक और लोकतांत्रिक ढांचा समेत प्रधानमंत्री ने सारे मर्यादाओ और नौटंकी की सारी सीमाओं को पार कर इस पद की गरिमा को तार तार कर दिया है, जबकि इनके दस साल के शासन काल में गरीबी, बेरोजगारी, महिलाओ पर उत्पीड़न समेत किसान मजदूरों का शोषण की प्रकाष्ठा की सीमा को पार कर गए। देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों, जिनमें पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, अटल बिहारी बाजपेयी आदि ने राष्ट्र निर्माणमें अहम योगदान दिया और देश की स्वच्छ छवि विश्व में स्थापित किया और देश को संमृद्ध के साथ

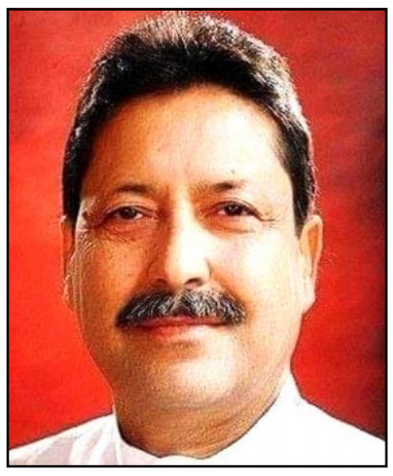

शक्तिशाली बनाया, लेकिन मोदीजी ने धर्म और धार्मिक स्थलों की आड़ में राजनीति का घिनौना खेल करते हुए पंडितों शंकराचार्य गुरुओं के साथ गैर मर्यादित खेल खेला और इन सबों को भयभीत कर रखा। मोदीजी सत्ता के अभिमान में सरकारी एजेंसियों का दुरूपयोग कर चुने हुए प्रतिनिधियों, नेताओं, बड़े व्यवसायियों, पदाधिकारियों को जेल में हीं नहीं डाला बल्कि राजनीतिक द्वेष और वोट बैंक मजबूत करने का काम किया है। जो आने वाले दिनों में इतिहास के पन्नों में लिखा जाएगा और याद किया जाएगा। विशेष कर चुनाव के वक्त हमारी पार्टी के खाते को सील करना और हमारे राष्ट्रीय नेताओं के हेलीकाप्टर, वाहनों को नाहक जांच कर परेशान किया। उन्होंने कहा अगर मोदीजी को एनडीए का प्रधानमंत्री मंत्री बनते हैं तो देश का रसातल में जाना तय है। जबकि कांग्रेस पार्टी लोक सभा में साकारात्मक सहयोग करेंगी अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो सविंधान की रक्षा करते हुए अपनी 25 सूत्री गारंटी को लागू करेंगी।

कांग्रेस के विजयी प्रत्याशियों ने की डोटासरा से मुलाकात

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद अब बधाइयों, शुभकामनाओं और मेल मिलाप का दौर शुरू हो गया है। जयपुर स्थित कांग्रेस के वॉर रूम में बुधवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से जीते हुए प्रत्याशियों ने मुलाकात की। डोटासरा से मिलने वालों में भरतपुर लोकसभा सीट की प्रत्याशी संजना जाटव और टोंक-सवाईमाधोपुर से जीते हरीश मीणा भी शामिल रहे। दोनों को गुलदस्ता भेंट कर डोटासरा ने बधाई दी। धौलपुर करौली से जीते भजन लाल जाटव और श्रीगंगानगर से विजयी कुलदीप इंदौरा भी प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा से मिलने पहुंचे। इसके अलावा आईएनडीआईए के घटक दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से प्रत्याशी और सीकर से लोकसभा चुनाव जीते अमराराम ने भी अध्यक्ष डोटासरा से मुलाकात कर बधाई दी।

नीतीश और तेजस्वी के एक ही फ्लाइट से दिल्ली रवाना होने पर सियासी हलचल तेज

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद के कयासों का बाजार भी गर्म हो गया है। केंद्र में भाजपा सरकार बनाने की तैयारी कर रही है और बिहार में नीतीश कुमार के पलटी मारने की चर्चा जोरों पर है। इस बीच बुधवार को नीतीश और तेजस्वी एक ही फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दोनों की विमान में एकसाथ वाली तस्वीर सामने आई है, जिसे देखकर नीतीश के दोबारा आईएनडीआई गठबंधन में जाने की चर्चा को और हवा मिल रही है। तस्वीर में फ्लाइट में अगली सीट पर नीतीश कुमार बैठे हैं तो उनके ठीक पीछे वाली सीट पर तेजस्वी यादव बैठे नजर आ रहे हैं। हालांकि, भाजपा के लिए थोड़ी राहत जरूर है कि इसी फ्लाइट में नीतीश कुमार के साथ लोजपा (रामविलास) के चीफ चिराग पासवान और उनकी पार्टी के तमाम नवनिर्वाचित सांसद भी मौजूद हैं। चिराग ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह और उनकी पार्टी भाजपा के साथ है। इस चुनाव में भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायी है। सहयोगियों के बदौलत केंद्र में एक बार फिर एनडीए की वापसी होनी है। इस बीच एनडीए और आईएनडीआई गठबंधन की बैठक दिल्ली में आज ही होनी है, जिसके लिए नीतीश कुमार दिल्ली गए। दोनों ही गठबंधन को नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की जरूरत है। ऐसे में हर किसी की नजर नीतीश कुमार पर है।

झारखंड विधानसभा में दिखेगी परिवारिक रिश्तों की झलक

रांची (हिंस)। झारखंड विधानसभा पारिवारिक रिश्तों की झलक देखने को मिलेगी। शिबू सोरेन परिवार के कई सदस्य एक साथ होंगे। पति-पत्नी (हेमंत सोरेन-कल्पना सोरेन) के अलावा देवर-भाभी (हेमंत, बसंत, सीता, कल्पना), देवरानी-जेठानी (कल्पना-सीता) जैसे रिश्ते भी वर्तमान विधानसभा में दिखेंगे। लोकसभा चुनाव में भाजपा और झामुमो के दो-दो विधायक अब सांसदी का सफर तय कर चुके हैं। इनमें हजारीबाग से मनीष जायसवाल, धनबाद से ढुल्लू महतो (दोनों भाजपा), नलिन सोरेन (शिकारीपाड़ा) और जोबा मांझी (मनोहरपुर) शामिल हैं। ऐसे में विधानसभा के भीतर चार सीटें इस विधानसभा के शेष कार्यकाल तक खाली ही नजर आएंगी। वैसे तो छह महीने से अधिक समय तक रिक्त सीटों पर चुनाव कराने का प्रावधान है लेकिन चूंकि दिसंबर महीने के आखिरी सप्ताह तक ही वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल शेष है। ऐसे में लगता नहीं कि इन चार सीटों के लिए चुनाव होंगे। ऐसी स्थिति में हजारीबाग, धनबाद, शिकारीपाड़ा और मनोहरपुर सीट का प्रतिनिधित्व करता कोई नहीं दिखेगा। अब आगामी विधानसभा चुनाव के बाद ही कोई नया चेहरा इन सीटों पर दिखेगा। संसद पहुंचने की चाह में पाला बदलने वाले नेताओं को जनता ने नकार दिया है। अपनी पुरानी पार्टी छोड़ कर दूसरे दल का दामन थाम कर चुनाव लड़ने वालों में कोई भी जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच सका। पाला बदलने वालों में सीता सोरेन, जेपी पटेल, गीता कोड़ा, चमरा लिंडा और लोबिन हेम्ब्रम शामिल हैं। आगामी विधानसभा के मानसून सत्र में सदन के भीतर नजारा दिलचस्प होगा। सीता सोरेन ने लोकसभा चुनाव से पूर्व झामुमो छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। इसके बाद पार्टी ने उन्हें निष्कासित भी कर दिया था। सीता ने भाजपा की टिकट पर दुमका लोकसभा सीट से ताल ठोका था, जिसमें वे झामुमो विधायक नलिन सोरेन से हार गयीं। यूं तो जामा विधायक सीता सोरेन ने झामुमो से इस्तीफा दे दिया था और विधायकी भी छोड़ दी थी। हालांकि, उन्होंने अपने इस्तीफे की मूल कॉपी विधानसभा स्पीकर को अब तक नहीं दी है। ऐसे में उनके मामले में फैसला लिए जाने तक सदन के भीतर वे झामुमो विधायक के तौर पर ही दिखेंगी। लोबिन हेंब्रम ने भी अपनी पार्टी झामुमो से बगावती रूख अख्तियार करते राजमहल सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था पर हार गए। उनके रवैये पर झामुमो ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया लेकिन विधानसभा को इससे मतलब नहीं। ऐसे में सदन के भीतर फिर से लोबिन भी झामुमो विधायकों संग दिखेंगे। चमरा लिंडा को झामुमो ने निलंबित कर दिया था। वे लोहरदगा सीट पर चुनाव लड़े थे जहां कांग्रेस के सुखदेव भगत विजयी हुए। इन सबके बावजूद अब सदन के भीतर चमरा सत्तापक्ष की तरफ से ही नजर आएंगे। विधायक जेपी पटेल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा छोड़ कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी और हजारीबाग से ताल ठोका था। हालांकि, जीत उनके नसीब में नहीं आयी। अब जब उनके खिलाफ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्पीकर के पास दलबदल का मामला दर्ज कराया है तो देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा उनके साथ कैसे चलती है। चूंकि, स्पीकर के पास बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव जैसे विधायकों के दलबदल का मामला पिछले कई सालों से लंबित ही है तो ऐसे में जेपी पटेल का मामला भी अभी लंबा खींचे जाने की आशंका है। ऐसी स्थिति में पटेल एक बार फिर सदन के भीतर भाजपा की ओर ही बैठे दिखेंगे।

जिले का टॉप टेन ईनामी कुख्यात गजनी उर्फ मुस्ताजीर गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। जिले के टॉप टेन कुख्यात अपराधियों में शुमार पांच हजार का ईनामी गजनी उर्फ मुस्ताजीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अररिया जिला पुलिस को लंबे अर्से से इनकी तलाश थी। जिले के जोकीहाट थाना में केवल इनके खिलाफ 13 और पलासी थाना में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। सभी मामलों में पुलिस को इनकी तलाश थी। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसपी अमित रंजन ने बताया कि जोकीहाट थाना क्षेत्र के ललिया के रहने वाले गजनी उर्फ मुस्ताजीर पिता बाजबूल के बारे में गुप्त जानकारी मिली कि वह दिल्ली से अपने घर आ रहा है। सूचना के बाद सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह की अगुवाई में गठित टीम जोकीहाट थानाध्यक्ष राजीव कुमार झा, एसआई श्रवण कुमार, डीआईयू प्रभारी अजीत चौधरी एवं डीआईयू की टीम और सशस्त्र पुलिस बलों ने कार्रवाई करते हुए गजनी उर्फ मुस्ताजीर को जोकीहाट के चरघरिया बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया।

केंद्रीय कारागृह एवं महिला बंदी सुधार गृह में पौधारोपण कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय कारागृह एवं महिला बंदी सुधार गृह में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा के साथ साथ पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वालंटियर ने जयपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया। शर्मा ने पौधारोपण के दौरान उपस्थित जेल स्टाफ एवं बंदीगण को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ पर्यावरण ही पृथ्वी के असंख्य जीवों और मानवों को जीवन जीने योग्य वातावरण प्रदान करता है अत: हमें इसकी सुरक्षा एवं विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहना

चाहिए। इस दौरान शर्मा ने लगभग 50 के करीब अमरूद, जामुन एवं शीशम के पौधे केंद्रीय कारागृह एवं महिला बंदी सुधार गृह में लगवाये तथा कर्मचारियों के बीच भी पौधे वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान सचिव ने बंदीगण के समक्ष विधिक सहायता, साक्षी संरक्षण स्कीम, बंदियों हेतु रालसा एवं नालसा द्वारा जारी विभिन्न स्कीम, पीड़ित प्रतिकर स्कीम आदि की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कारागृह के उपाधीक्षक इन्द्र यादव, महिला बंदी सुधार गृह की कारापाल सरोज विश्नोई, चीफ एलएडीसीएस जनार्दन कुमार आत्रे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहें। कार्यक्रम के पश्चात पल्लवी शर्मा ने आंचल बालिका गृह, जयपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गृह अधीक्षक बाद सूचना भी गृह से नदारद मिले। जिसके संबंध में सचिव द्वारा गृह पर उपस्थित अन्य स्टाफ को पाबंद किया। शर्मा ने बालिकाओं को दी जा रही भोजन, साफ-सफाई, पढ़ाई आदि के संबंध में व्यवस्था का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

झारखंड गठन के बाद लगातार चौथी बार जीतने वाले एक मात्र सांसद बने निशिकांत दुबे

रांची (हिंस)। झारखंड में भले ही भाजपा को तीन सीटों का नुकसान हुआ हो लेकिन कई रिकॉर्ड भी बने हैं। गोड्डा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और तीन बार से सांसद निशिकांत दुबे ने जीत हासिल कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। निशिकांत झारखंड गठन के बाद लगातार चार बार संसदीय चुनाव जीतने वाले एकमात्र सांसद बन गए हैं। इसके अलावा जमशेदपुर और पलामू में भी भाजपा ने हैट्रिक लगायी है। झारखंड की गोड्डा लोकसभा सीट पर भाजपा का दबदबा है। यह सीट साल 1962 में अस्तित्व में आई थी।

हिंदुत्व पर भारी पड़ी जाति और मुस्लिमों की लामबंदी

महोबा (हिंस)। बुंदेलखंड के हमीरपुर महोबा लोकसभा सीट पर हिंदुत्व पर जातीय गोलबंदी और मुसलमानों की लामबंदी हावी दिखी है। इंडी गठबंधन बुंदेलखंड में मुसलमान का भरोसा जीतने में सफल रहा। संसदीय सीट पर कांटे के मुकाबले में आखिरकार भाजपा प्रत्याशी को हार का मुंह देखना पड़ा है। गठबंधन के सपा प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को 2629 मतों के अंतर से हरा दिया है। देश में एनडीए का आंकड़ा सरकार बनाने लायक बहुमत से आगे निकल गया है। भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। लेकिन आंकड़े बता रहे हैं जातीय गोलबंदी और मुस्लिम लामबंदी हिंदुत्व पर भारी पड़ी है। लोकसभा चुनाव के इतिहास में गठबंधन के प्रत्याशी अजेंद्र सिंह राजपूत को मिली जीत अब तक के सबसे कम अंतरों से हुई जीत में शामिल हो गई है। हमीरपुर महोबा तिंदवारी लोकसभा सीट पर 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 54.34 प्रतिशत वोट मिले थे। सपा को 22.4 प्रतिशत और बसपा को 20.04 प्रतिशत मत हासिल हुए थे। जबकि 2019 के चुनाव में भाजपा को 52.77 प्रतिशत और सपा बसपा के गठबंधन को 29.96 प्रतिशत मत मिले थे। कांग्रेस पार्टी को मात्र 10.51 प्रतिशत मतों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार 2024 के चुनाव में भाजपा को 43.81 प्रतिशत ही वोट मिला है। गठबंधन से सपा उम्मीदवार को 44.04 प्रतिशत मत मिले। बसपा को 8.5 प्रतिशत मत ही हासिल हुए हैं। जनपद मुख्यालय निवासी पंडित वीरेंद्र कुमार शुक्ला का कहना है कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के नारे पर आई मोदी सरकार के कामकाज पर संविधान और आरक्षण पर विपक्ष का शोर हावी रहा है। अयोध्या में श्री राम का मंदिर बनने के बाद भी वहां पर हार, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जनपद मुख्यालय के मुहाल गांधीनगर निवासी राजाराम का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी को यह चुनावी नतीजे आत्ममंथन की सलाह दे रहे हैं जो कि भाजपा के लिए बहुत जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी आज से करेंगे *जनता दर्शन*

लखनऊ (हिंस)। आचार संहिता की वजह से पिछले दो माह से थमा *जनता दर्शन* गुरुवार से एक बार फिर शुरू होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सीएम योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और निराकरण के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित भी करेंगे। इस पहल से प्रदेश की जनता को अपनी समस्याओं को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने का अवसर प्राप्त होगा और साथ ही उसका तत्काल निराकरण भी संभव हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि दो माह पूर्व आचार संहिता लगने से पहले तक सीएम योगी तकरीबन प्रतिदिन अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आमजन से मुलाकात करते रहे हैं। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोग सीएम से मिलकर उन्हें अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते रहे हैं। मुख्यमंत्री भी एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से उनकी समस्याएं सुनते हैं और तत्काल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को जनता की समस्याओं के निराकरण के निर्देश भी देते रहे हैं। सीएम योगी के सामने आने वाली ज्यादातर समस्याओं में जमीन संबंधित विवाद और स्वास्थ्य संबंधित खर्च के अनुरोध रहते हैं। इसके अलावा पारिवारिक विवाद और थाने व तहसील से संबंधित विवादों में भी जनता मुख्यमंत्री से गुहार लगाती है। हालांकि प्रदेश और जिले के अधिकारियों संग बैठकों के दौरान सीएम योगी ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि थानों और तहसीलों की साप्ताहिक समीक्षा जिलास्तर के वरिष्ठ अधिकारी करें, किसी भी फरियादी के साथ अशोभनीय व्यवहार नहीं होना चाहिए और उसकी समस्या का तत्काल यथोचित निराकरण जिलास्तर पर ही होना चाहिए। इसके अलावा जिले की समीक्षा मंडल स्तर और मंडल की समीक्षा लखनऊ मुख्यालय से प्रतिमाह होनी चाहिए।

गायत्री परिवार के सदस्यों ने फलदार एवं छायादार पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

किशनगंज (हिंस)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के सक्रिय सदस्यों एवं पर्यावरण संरक्षण प्रेमियों ने शहर के कई सार्वजनिक स्थल, विभागीय कार्यलय परिसर में विभिन्न प्रकार के सैकड़ों फलदार एवं छायादार पौधा लगा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गायत्री परिवार के सक्रिय सदस्यों एवं पर्यावरण संरक्षण टीम दे द्वारा इस प्रकार का कार्य लगातार साप्ताहिक रूप से किया जाता है। इसी निमित्त किशनगंज कर आयुक्त शशीभूषण के द्वारा भी इसे महापर्व बताते हुए

अपने घर एवं आस पास में पौधा रोपण की अपील की। वृक्ष भाई राकेश कुमार शिक्षक ने कहा कि यदि हम सभी आम अवाम अगर एक एक पौधा भी लगातार लगाते हैं तो भविष में हमें पर्यावरण से संबंधित दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं देवदास उर्फ देवू दा समर्पित समाज सेवी के द्वारा भी इस कार्य को मानवीय धर्म बताया और पौधा रोपण की अनुरोध किया। अधिवक्ता कमलेश कुमार, व्यवस्थापक शिवगंज धाम सेवा समिति ने बताया कि वर्तमान में जो हम लोगो के द्वारा पेड़ पौधों को काट कर बड़ी-बड़ी एवं सुंदर-सुंदर आलीसान इमारतो का निर्माण तो करते हैं, साथ ही कीमती-कीमती एसी भी लगाते हैं। लेकिन दस, बीस रूपये का पौधा लगाना भूल गए हैं, कहते हैं ना बूंद बूंद से घरा भरता है, ठीक उसी प्रकार आइए आज आप-हम साथ में संकल्प लें कि हम सभी प्रकार के महोत्सव एवं पर्व त्योहार में एक एक पौधा जरूर लगाएंगे। बुधवार को पर्यावरण प्रेमी-सह-गायत्री परिवार के सक्रिय परिजनों ने महीनगांव में दो दर्जन महिला हेल्फ लाइन ऑफिस, सेल्टेक्स पदाधिकारी कार्यालय परिसर में सभी कर्मी के साथ मिलकर पौधा रोपण किया गया। साथ ही स्वास्थ्य कार्यालय के विभिन्न उपकेन्द्र पर 100 पौधा रोपण हेतु उपलब्ध कराया गया। इस पुनीत अवसर पर शशिभूषण राज्य कर आयुक्त, शंकर चौधरी, अर्जुन कुमार वंदना वशिष्ठ, शैलेन्द्र कुमार सुमन, प्रधान लिपिक, राजेश कुमार, धीरज कुमार एवं गायत्री परिवार के परिजनों ने अपना अपना बहुमूल्य समय देकर इस महापर्व को मनाया।

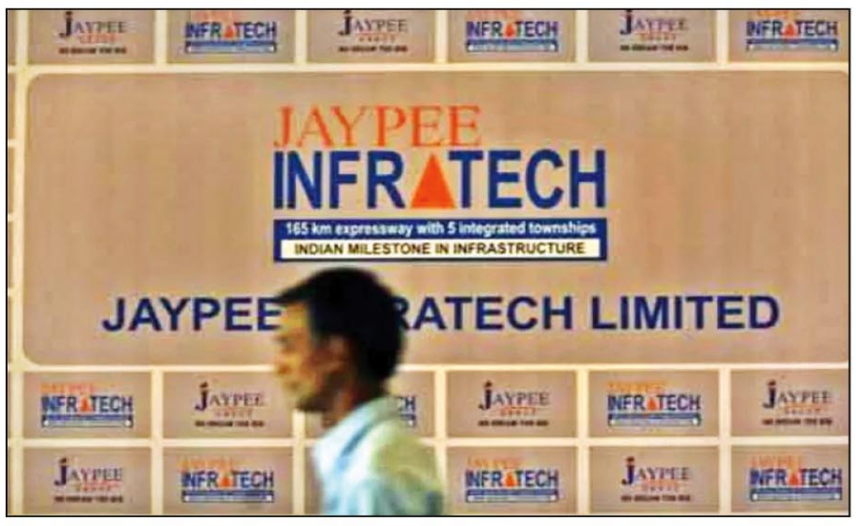

सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का किया टेकओवर, जल्द पूरा होगा 20,000 होमबायर्स का सालों पुराना सपना

नई दिल्ली।
आज 20,000 से ज्यादा होमबायर्स बड़ी राहत मिली। सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण कर लिया है। आपको बता दें कि जेपी इंफ्राटेक कर्ज में डूब गई थी। अब सुरक्षा ग्रुप के टेकओवर करने के बाद होमबायर्स को राहत मिलेगी।

उम्मीद है कि इस टेकओवर के बाद जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवास परियोजनाएं दोबारा शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए सुरक्षा ग्रुप अब 125 करोड़ रुपये का फंड लगाएगा।

यह अधिग्रहण दिवालिया अपीलीय न्यायाधिकरण के 24 मई के फैसले के बाद हुआ है। एनसीएलटी के फैसले में जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए सुरक्षा रियल्टी की बोली को बरकरार रखा गया था, जबकि उसे किसानों के मुआवजे के रूप में अतिरिक्त 1,334 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जेपी इंफ्राटेक द्वारा एक नियामक फाइलिंग के अनुसार सुरक्षा ग्रुप ने आईएमसी (कार्यान्वयन और निगरानी समिति) को सूचित किया कि 24 मई, 2024, यानी, एनसीएलएटी आदेश की तारीख को अनुमोदन तिथि के रूप में माना जाना चाहिए। आईएमसी ने हुई अपनी बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में सुधीर वी वालिया की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। बोर्ड ने कार्यकारी निदेशक के रूप में आलोक चंपक दवे और स्वतंत्र निदेशक के रूप में उषा अनिल कदम की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि सुरक्षा ग्रुप 15 जून तक जेपी इंफ्राटेक में 125 करोड़ रुपये का इक्विटी फंड लगाएगा और जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेगा। यह शेड्यूल के मुताबिक भुगतान करना भी शुरू कर देगा। एनसीएलटी ने बरकरार रखा अपना फैसला एनसीएलटी ने मार्च 2023 से अपने फैसले को बरकरार रखा। एनसीएलएटी ने 24 मई को कहा था। किसी भी देरी से बचने और सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखने के लिए यह निर्णय लिया गया था। एनसीएलटी ने घर खरीदारों और किसानों के अतिरिक्त मुआवजे के लिए यमुना एक्सप्रेस विकास प्राधिकरण का दावा किया। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त 2017 में आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के एक आवेदन पर शुरू की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी की एनर्जी सेक्टर में एंट्री, नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट में 450 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 से शुरू होने वाले तीन वर्षों में इस निवेश को लगभग चार गुना बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये तक पहुंचाएगी। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा कंपनी ने कहा कि उसने घरेलू खाद्य अपशिष्ट की अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करते हुए वित्त वर्ष 2025 में अपनी मानेसर सुविधा में एक पायलट बायोगैस प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट को प्रतिदिन 0.2 टन बायोगैस का उत्पादन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अनुमानित उत्पादन लगभग 1 लाख मानक घन मीटर बायोगैस है। इस बायोगैस प्लांट से प्रति वर्ष लगभग 190 टन सीओ2 की भरपाई होगी। कंपनी सौर कैपेसिटी को बढ़ाएगी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी सौर क्षमता को 43.2 मेगावाट तक विस्तारित किया। कंपनी ने कहा कि अगले दो वर्षों में अपने मानेसर प्लांट में 15 मेगावाट और आगामी खरखौदा प्लांट में 20 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ने की राह पर है। इससे कुल सौर क्षमता बढ़कर 78.2 मेगावाट हो जाएगी। मारुति सुजुकि के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखते वक्त कंपनी के शेयर 12,518.95 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी कीमतें बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के दूसरे दिन वायदा कारोबार में बढ़त रही। सुबह सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 89,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 80 रुपये बढ़कर 72,077 रुपये के भाव पर खुला। यहा 72,080 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,037 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल कर लिया था। इसे अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 239 रुपये की तेजी के साथ 89,898 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 141 रुपये की तेजी के साथ 89,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,899 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 89,757 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही।

मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र मॉयल ने बताया कि अप्रैल-मई, 2024 के दौरान उसका मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख टन हो गया। मॉयल ने अपने बयान में कहा कि उसने एक साल पहले की समान अवधि में 2.84 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की कुल बिक्री 3.3 लाख टन की हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2.5 लाख टन से 32 प्रतिशत अधिक है। इस्पात मंत्रालय के तहत मॉयल देश में डाइऑक्साइड अयस्क की लगभग 46 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करती है। मौजूदा समय में मैंगनीज अयस्क का औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 13 लाख टन है।

गूगल ने अपनी क्लाउड इकाई से 100 कर्मचारी हटाए, माइक्रोसॉफ्ट में भी जाएंगी नौकरियां

सैन फ्रांसिस्को ।
गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं।

अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल कंपनी अपनी क्लाउड इकाई की कई टीमों में से कम से कम 100 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल के आंतरिक पत्राचार में कहा गया है कि बिक्री, संचालन-इंजीनियरिंग, परामर्श और बाजार-रणनीति से जुड़ी कुछ अहम भूमिकाओं में चुनिंदा पदों में कटौती की गई है।

गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं। यह रिपोर्ट अप्रैल में विभिन्न टीमों में हुई बड़ी छंटनी के बाद आई है।

लागत में कमी के उपाय जारी - दिग्गज गूगल कंपनी लागत में कमी के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने अप्रैल में छंटनी का एक दौर अंजाम दिया, जिससे विभिन्न डिवीजनों में अनिर्दिष्ट संख्या में कर्मचारी प्रभावित हुए व लागत में कमी आई।

कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है छंटनी - इसके अलावा, जनवरी में, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रौद्योगिकी व मीडिया क्षेत्रों में नौकरी में कटौती की व्यापक प्रवृत्ति के तहत कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की संख्या में कमी की। गूगल के क्लाउड डिवीजन में ताजा छंटनी कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है क्योंकि यह मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करती है।

माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में शुरू की छंटनी - माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में छंटनी शुरू कर दी है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स और मिशन इंजीनियरिंग समूहों में कटौती के साथ, कई टीमों की नौकरी में कटौती हुई है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स में छंटनी में 1,500 पदों तक शामिल होने की सूचना है। छंटनी के पीछे के विशिष्ट कारणों पर कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बताया है। पीड़ित कर्मचारी उस इकाई का हिस्सा हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग में माइक्रोसॉफ्ट के विस्तार का अभिन्न अंग रहे हैं।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड दो दिन नहीं काम करेंगे: एचडीएफसी बैंक

मुंबई । देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अलर्ट किया है और बताया है कि दो दिन उन्हें कार्ड का इस्तेमाल करने में दिक्कतें आ सकती हैं। एचडीएफसी बैंक ने इस बारे में सभी ग्राहकों को ईमेल और एसएमएस के जरिए अलर्ट किया है। बैंक की ओर से भेजे गए मैसेज में बताया गया है कि उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड कुछ समय के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। उसके ये कार्ड बताई गई अवधि के दौरान ट्रांजेक्शन के लिए अनुपलब्ध रहने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक ने कार्ड के अनुपलब्ध रहने का जो समय बताया है, वह बैंक का कहना है कि बताई गई समयावधि में उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड के सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। इसी कारण ग्राहक कार्ड का इस्तेमाल कर लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस अपग्रेडेशन से जिन ट्रांजेक्शंस पर असर होगा, उनमें एटीएम से पैसे की निकासी, पॉइंट ऑफ सेल मशीनों पर शॉपिंग के भुगतान, ऑनलाइन कार्ड ट्रांजेक्शन और नेटसेफ ट्रांजेक्शन शामिल हैं। ग्राहकों को इसके चलते कम से कम परेशानी हो, इसी कारण बैंक ने अपग्रेडेशन के लिए रात का समय चुना है, जब ग्राहक कार्ड का कम ही इस्तेमाल करते हैं।

हर 4 में से 3 बी2बी भारतीय मार्केटिंग लीडर्स जनरेटिव एआई का कर रहे इस्तेमाल : रिपोर्ट

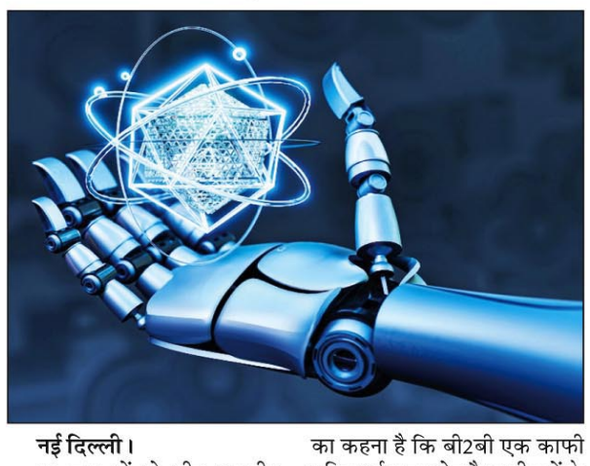

नई दिल्ली।
हर चार में से तीन भारतीय बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) मार्केटिंग लीडर्स अपने काम के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।इससे उनका कंटेंट क्रिएशन 43 प्रतिशत तक, लागत 39 प्रतिशत तक किफायती करने और उत्पादकता 38 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफलता मिली है। आई एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर पेशेवरों की ओर से अपनी प्रोफाइल में एआई स्किल जोड़ने में 142 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसमें मार्केटिंग पेशेवर टॉप पर है।

पिछले साल वैश्विक स्तर पर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) का पद संभालने वाले लोगों की लिंक्डइन प्रोफाइल में एआई स्किल अन्य पेशों के मुकाबले बड़ी संख्या में जुड़ी है।

लिंक्डइन इंडिया में मार्केटिंग सॉल्यूशन के डायरेक्टर सचिन शर्मा का कहना है कि बी2बी एक काफी प्रतिस्पर्धा वाला क्षेत्र है। खरीदारों के बढ़ते प्रभाव के कारण मार्केटिंग करने वालों के लिए बड़े रुप को टारगेट करना जरूरी हो जाता है। इससे ब्रांड की पहुंच बढ़ाने में सफलता मिलती है।

सर्वे में 2,000 से ज्यादा बी2बी मार्केट लीडर्स ने भाग लिया था

इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 76 प्रतिशत बी2बी सीएमओ प्रतिस्पर्धी मांगों के कारण खरीदारों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 94 प्रतिशत मार्केटिंग करने वाले लोगों ने माना है कि अच्छे संबंध से ही उनके बिजनेस में सफलता मिल सकती है।

93 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आने वाले वर्ष में उनकी टीम अधिक आय हासिल कर सकती है। वहीं, 85 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अब उन्हें बजट बढ़ाने की आवश्यकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट से भारत को होगा फायदा

नई दिल्ली।
अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की गिरावट आई है। अब यह चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। ऐसा ओपेक प्लस द्वारा इस वर्ष उत्पादन में वृद्धि की अनुमति देने के बाद हुआ है। अमेरिका में पहले से ही कच्चे तेल का भंडार काफी ज्यादा है।अगस्त के लिए बेंचमार्क ब्रेंट ऑयल वायदा 77.50 डॉलर पर आ गया। डब्ल्यूटीआई (वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट) पर जुलाई के कच्चे तेल का वायदा 73.22 डॉलर पर था। 7 फरवरी के बाद पहली बार तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आई हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है। देश अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और तेल की कीमतों में गिरावट से देश के आयात बिल में कमी आएगी। इससे चालू खाता घाटा (सीएडी) कम होगा और रुपया मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम भी कम होते हैं, जिससे देश में मुद्रास्फीति में कमी आती है। सरकार ने यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर पश्चिमी दबावों के बावजूद तेल कंपनियों को रियायती कीमतों पर रूस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देकर देश के तेल आयात बिल को कम करने की कोशिश की है। रूस अब भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसने इराक और सऊदी अरब की जगह ली, जो पहले शीर्ष स्थान पर थे। आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस से तेल आयात की कीमत वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 के 11 महीनों में खाड़ी देशों की तुलना में 6.4 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत कम थी। रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखने की भारत की रणनीति के चलते वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों के दौरान देश के तेल आयात बिल में लगभग 7.9 बिलियन डॉलर की बचत हुई थी।

महाराष्ट्र में अंबानी ने लीज पर ली जमीन, बनाएंगे ग्लोबल इकोनॉमिक हब

नई दिल्ली।
मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने कहा कि उसकी स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ने महाराष्ट्र में एक ग्लोबल इकोनॉमिक हब बनाने के लिए 3,750 एकड़ भूमि की सब-लीज डीड का पंजीकरण कराया है।

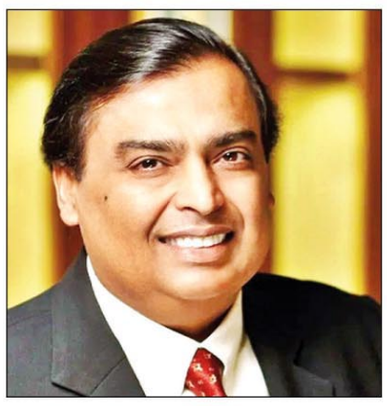

बीएसई को भेजी सूचना में बताया गया है कि आरआईएल की स्वामित्व वाली कंपनियों ने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड से 13,400 करोड़ रुपए में 43 साल के लिए विकास अधिकारों के साथ करीब 3,750 एकड़ भूमि के सब-लीज डीड से जुड़ी सभी कार्यवाही पूरी कर ली हैं। नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड में (शहर एवं औद्योगिक विकास निगम) सिडको की 26फीसदी हिस्सेदारी है। सिडको नवी मुंबई के लिए सरकार की नगर नियोजन एजेंसी है।

कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र औद्योगिक नीति, 2013 के अनुसार सब लीज पर दी गई इस भूमि का इस्तेमाल एकीकृत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए किया जाएगा। फरवरी 2018 में ग्लोबल इकोनॉमिक हब तैयार करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता किया गया था।

2018 में आयोजित मैग्नेटिक महाराष्ट्र कार्यक्रम में अंबानी ने कहा था, आरआईएल महाराष्ट्र में चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए भारत का पहला औद्योगिक क्षेत्र बनाएगा और इस पर अगले 10 साल में वैश्विक कंपनियों की भागीदारी से 60,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया जाएगा।

2019 में आरआईएल ने अपनी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिये करीब 4,000 एकड़ की सब लीज भूमि के लिए नवी मुंबई एसईजेड (एनएमएसईजेड) के साथ समझौता किया था। एक विज्ञप्ति में आरआईएल ने कहा कि हजीरा, जामनगर और दहेज में बड़े एकीकृत औद्योगिक परिसर तैयार करने, हरियाणा के झज्जर जिले में एकीकृत स्मार्ट सिटी और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स में एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर और आधुनिक ऑफिस बनाने का उसका रिकॉर्ड रहा है।

देश में खाद्यान्नों का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ इन अनाजों की पैदावार में हुई भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली।
खाद्यान्न उत्पादन 2023-24 में 3,288.52 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले पांच वर्षों (2018-19 से 2022-23) के औसत खाद्यान्न उत्पादन 3,077.52 लाख टन से 211 लाख टन अधिक है। कृषि मंत्रालय ने तीसरे अग्रिम अनुमान में बताया कि हालांकि 2022-23 की तुलना उत्पादन में मामूली कमी आई है। मंत्रालय ने 2023-24 में अनियमित मानसून को अनाज उत्पादन में गिरावट का कारण बताया है जिससे कुछ फसलें प्रभावित हुई थीं। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार, यह तथ्य कि कुल उत्पादन पांच साल के औसत से अधिक है, देश के कृषि क्षेत्र में लचीलापन दर्शाता है।

चावल-गेहूं का उत्पादन बढ़ा

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में कुल चावल उत्पादन 1,367.00 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह 1,357.55 लाख टन था। गेहूं का उत्पादन 1,129.25 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के इसी आंकड़े की तुलना में 23.71 लाख टन अधिक है। श्री अन्न (बाजरा) का उत्पादन 174.08 लाख टन होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 87 हजार टन की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। पोषक/मोटे अनाज का उत्पादन 547.34 लाख टन अनुमानित है, जो पांच साल के औसत उत्पादन की तुलना में 46.24 लाख टन अधिक है।

दलहनों का उत्पादन बढ़ा वर्ष के दौरान दलहनों का उत्पादन बढ़ा है। तुअर का उत्पादन 33.85 लाख टन अनुमानित है, जो 2022-23 में 33.12 लाख टन की तुलना में 0.73 लाख टन अधिक है। मसूर का उत्पादन 17.54 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 15.59 लाख टन की तुलना में 1.95 लाख टन अधिक है। सोयाबीन का उत्पादन 130.54 लाख टन, और रेपसीड तथा सरसों का उत्पादन 131.61 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 5.18 लाख टन अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, कपास का उत्पादन 325.22 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और गन्ने का उत्पादन 4425.22 लाख टन होने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

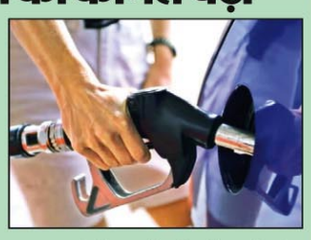

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। कीमतों में ये बदलाव लोकसभा चुनाव परिणाम के दूसरे दिन ही आया है। सरकारी तेल कंपनियां दर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को तय करती हैं क्योंकि ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों पर निर्भर करती हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में आये बदलाव से देश में भी तेल की कीमतों में बदलाव आया है। देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है पर चेन्नई में तेल की कीमतों में 23 पैसे की हल्की बढ़ोतरी आई है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है. कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर। गुरुग्राम: पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर: पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए इस खिलाड़ी को अपना जोड़ीदार चुना, एआईटीए दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली ।
दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। बालाजी ने अच्छी सर्विस करने के अलावा बेसलाइन और नेट पर अपने खेल से प्रभावित किया जिसके बाद बोपन्ना ने फैसला किया कि वह अगले महीने ओलंपिक पदक जीतने के अपने अंतिम अभियान के दौरान जब रोलां गैरो पर लौटेंगे तो कोयंबटूर का यह खिलाड़ी उनका जोड़ीदार होगा। बोपन्ना रियो खेलों के दौरान ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंचे थे, लेकिन उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी को मिश्रित युगल के कांस्य पदक के मुकाबले में राडेक स्टेपनेक और लूसी हरादेका की चेक गणराज्य की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। विश्व रैंकिंग में 52वें नंबर के साथ भारत के दूसरे नंबर के युगल खिलाड़ी युकी भांबरी भी दावेदारी में थे। युकी फ्रांसीसी जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी के साथ फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए थे लेकिन इस सत्र में क्ले कोर्ट पर उन्हें सफलता मिली है। उन्होंने म्यूनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इसी जोड़ीदार के साथ ल्योन में एक अन्य एटीपी 250 प्रतियोगिता में उपविजेता रहे। संपर्क किए जाने पर एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि उन्हें पेरिस ओलंपिक में 84वें नंबर के बालाजी के साथ बोपन्ना के खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है। आईटीएफ को 12 जून तक सभी संघों को उनके पात्र खिलाड़ियों के बारे में सूचित करना होगा। सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों को 19 जून तक आईटीएफ को अपनी प्रविष्टियों की पुष्टि करनी होगी। आईटीएफ आठ जुलाई को इस्तेमाल नहीं किए गए ।

न्यूज ब्रीफ

कार्लसन ने रोका प्रज्ञानंद का विजय अभियान, आठवें दौर में मिली हार

वैशाली ने की वापसी

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया था, लेकिन वह अपनी यह लय अगले दौर में कायम नहीं रख सके और उन्हें कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामूरा पर एक अंक की बढ़त बना ली है जिन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया पुरुष वर्ग में तीनों क्लासिकल बाजी ड्रॉ रही जिसके बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी खेली गई। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया। आर्मागेडोन बाजी में सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को 10, जबकि काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को सात अंक मिलते हैं। सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को हालांकि बाजी जीतनी होती है। क्लासिकल बाजी जीतने पर खिलाड़ी को तीन अंक, जबकि आर्मागेडोन बाजी जीतने पर डेढ़ अंक मिलते हैं और हारने पर एक अंक मिलता है। लिरेन का निराशाजनक प्रदर्शन जारी इस बीच विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अमेरिका के फाबियानो करूआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अब जब सिर्फ दो दौर का खेल बाकी है तब कार्लसन 14.5 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। नाकामूरा के 13.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा उनसे एक अंक पीछे चौथे स्थान पर हैं। करूआना नौ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि लिरेन सिर्फ 4.5 अंक के साथ अंतिम पायदान पर हैं। वैशाली ने मुजिचुक को हराया प्रज्ञानंद के अलावा उनकी बड़ी बहन वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में सातवें दौर के बाद शीर्ष पर चल रही यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया। वैशाली ने प्रतियोगिता में दूसरी बार मुजिचुक को हराया। क्लासिकल बाजी ड्रॉ रहने के बाद वैशाली ने आर्मागेडोन बाजी में जीत दर्ज की। महिला वर्ग के अन्य मैचों में चीन की विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने स्वीडन की पिया क्रेमलिंग के खिलाफ जीत से 14.5 अंक के साथ बढ़त बना ली है। उन्हें वैशाली के खिलाफ मुजिचुक की हार से भी फायदा मिला। यूक्रेन की मुजिचुक 13 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनसे 1.5 अंक पीछे वैशाली 11.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं। भारत की कोनेरू हंपी की वापसी की उम्मीदों को भी झटका लगा और वह टिंगजी से हार गई। टूर्नामेंट का बेहतर अंत करने के लिए हंपी को अब अंतिम दोनों बाजियां जीतनी होंगी। हंपी को हराने वाली चीन की टिंगजी लेई भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। हंपी आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि क्रेमलिंग (4.5 अंक) अंतिम पायदान पर हैं।

भारतीय टीम टी20 महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी : हरमनप्रीत

ढाका । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं। हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बांग्लादेश को 5-0 से हराया था। हरमनप्रीत ने एक समारोह के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा जिसका मुकाबला करने के लिए हमारी टीम उत्साहित है क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था।

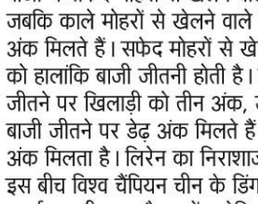

आखिरी बार भारत की अगुआई करने उतरेंगे सुनील छेत्री, जीत के साथ विदा देना चाहेगी टीम

कोलकाता ।
भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री आखिरी बार भारतीय टीम की अगुआई करने मैदान पर उतरेंगे। भारत का सामना फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में कुवैत से होगा। टीम के खिलाड़ियों की कोशिश होगी कि वह अपने कप्तान को जीत के साथ विदाई दें। भारतीय टीम के लिए यह मैच करो या मरो की तरह है। टीम अगर इस मैच को जीतती है तो वह पहली बार 18 टीमों के क्वालीफायर के अंतिम चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी बेहतर स्थिति में होगी।

छेत्री ने की थी संन्यास की घोषणा

भारत के सबसे फुटबॉलर में शामिल छेत्री ने हाल ही में फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की थी और कहा था कि कुवैत के खिलाफ छह जून को वह आखिरी बार भारत के लिए खेलने उतरेंगे। छेत्री पिछले 19 साल से भारतीय फुटबॉल के ध्वज वाहक रहे हैं और 39 वर्ष का यह खिलाड़ी खुद भी टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार होगा।

चार-चार टीमों के नौ समूहों में से शीर्ष दो टीमें क्वालिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेंगी। फीफा ने विश्व कप में एशिया के कोटे में आठ बर्थ का इजाफा किया है और तीसरे चरण के बाद ही इसे हासिल करने वालों का फैसला होगा।

अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं छेत्री

छेत्री के नाम 150 मैचों में 94 गोल है और वह सक्रिय खिलाड़ियों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोन मेसी के बाद सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वालो की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। छेत्री का करियर साल 2000 में मोहन बागान से जुड़ने के बाद इसी मैदान में परवान चढ़ा था ऐसे में अपने चहेते खिलाड़ी को भारतीय टीम की जर्सी में आखिरी बार देखने के लिए कोलकाता का सॉल्ट लेक स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा होगा। कुवैत के खिलाफ छेत्री के यादगार लम्हों में 2023 सैफ चैंपियनशिप का मुकाबला है जहां उनकी मदद से सहल अब्दुल समद ने बराबरी का गोल किया और फिर शूटआउट में भारत से 5-4 से मैच जीता।

भारत दूसरे स्थान पर मौजूद

भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ कतर (12 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। अफगानिस्तान गोल अंतर से पिछड़कर तीसरे स्थान पर है। कुवैत तीन अंक के साथ आखिरी पायदान पर है। भारतीय टीम अगर कुवैत को हराने में सफल रहती है तो वह अफगानिस्तान पर बढ़त बना सकती है। अफगानिस्तान ही कतर का सामना करेगा। अफगानिस्तान गोल अंतर के मामले में भारत से सात गोल पीछे है और भारत की जीत के बाद उसके लिए इस अंतर को पाटना काफी मुश्किल होगा।

पुख्ता तैयारी के साथ उतरेगा भारत

छेत्री के बाद गुरप्रीत सिंह संधू 71 मैचों के साथ टीम के दूसरे सबसे अनुभवी खिलाड़ी है। भारत हालांकि इस मैच के लिए पुख्ता तैयारी के साथ उतरेगा। टीम ने आई-लीग के फॉरवर्ड एडमंड लालरिंडिका और डेविड लालहलनसंगा के रूप में कुछ दिलचस्प बदलाव किए हैं। यह पांच साल में पहली बार है जब दूसरे स्तर की लीग से कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय पदार्पण करने के लिए तैयार होगा। टीम को रक्षापंक्ति में संदेश झिंगन की अनुपस्थिति से जूझना होगा जो जनवरी में एशियाई कप में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। राहुल भेके, अनवर अली और सुभाशीष बोस जैसे खिलाड़ियों पर उनकी कमी को पूरा करने की जिम्मेदारी होगी। टीम को लालियानजुआला छांगते से भी उम्मीदे होगी। उन्होंने आईएसएल सत्र में मुंबई सिटी के लिए 10 गोल किए और छह गोल में सहायक की भमिका निभाई। वह इस लय को कुवैत के खिलाफ भी बरकरार रखना चाहेंगे, जिनके पास डिफेंस में हसन अल-एनेजी जैसा अनुभवी खिलाड़ी है। कुवैत ने पिछले मैच में अफगानिस्तान को 4-0 से रौंदा था और उसके हौसले बढ़े हुए होंगे। भारतीय टीम इस प्रकार है: गुरप्रीत सिंह संधू (गोलकीपर), निखिल पुजारी, सुभाशीष बोस, अनवर अली, जय गुप्ता, जैक्सन सिंह, अनिरुद्ध थापा, नाओरेम महेश सिंह, ब्रैंडन फर्नांडीस, लालियानजुआला चांगटे, सुनील छेत्री।

खिलाड़ियों को फिर रास आई सियासी पिच, कीर्ति आजाद-यूसुफ जीते फुटबालर प्रसून बनर्जी भी चमके

नई दिल्ली ।
सियासत की असमतल उछाल भरी पिच पर इस बार भी खिलाड़ियों के चौके-छक्के जमकर बरसे। खासतौर पर 2024 के आमचुनाव की सियासी पिच क्रिकेटरों को खूब रास आई है। अपने गगनचुंबी छक्कों और आतिशी पारियों के लिए मशहूर रहे क्रिकेटर कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान को लोकसभा चुनाव में जीत मिली है। देश का पहला 1983 का विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य कीर्ति आजाद जहां इस बार बर्धमान-दुर्गापुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर संसद में एकबार फिर नुमाइंदगी पेश करेंगे। वहीं, 2007 का टी-20 विश्व कप और 2011 का वनडे विश्वकप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य यूसुफ पहले ही प्रयास में बहरामपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर जीते हैं। उन्होंने दिग्गज कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया।

दिग्गज टिर्की, झाझरिया हारे

क्रिकेटरों को तो जीत मिली, लेकिन अन्य खेलों के दिग्गजों को सियासी मैदान रास नहीं आया। देश के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष, दिग्गज डिफेंडर और पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की को बीजद से सुंदरगढ़ में फिर हार का सामना करना पड़ा। वहीं दो बार पैरालंपिक का स्वर्ण जीतने वाले पद्मभूषण, खेल रत्न अवॉर्डी और पैरालंपिक कमेट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया को चुरू से हार मिली। हालांकि दिग्गज फुटबालर, अर्जुन अवॉर्डी और महान पीके बनर्जी के भाई प्रसून बनर्जी हावड़ा से एक बार फिर जीत गए। क्रिकेटर अनुराग और शूटर नवीन जीते बुसान एशियाई खेलों में भाग लेने वाले और सैफ गेम्स के रजत पदक विजेता स्कीट शूटर नवीन जिंदल भाजपा टिकट पर कुरुक्षेत्र से जीतने में सफल रहे। कारोबारी के रूप में ज्यादा मशहूर जिंदल के नाम स्कीट शूटिंग में राष्ट्रीय कीर्तिमान रहा है। वह पोलो के भी राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश के लिए एक रणजी मैच खेलने वाले बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर भी हमीरपुर से जीतने में सफल रहे। पूर्व अंतरराष्ट्रीय ट्रैप शूटर राणा गुरमीत सोढी भाजपा टिकट पर फिरोजपुर से हारे। नामी खेल प्रशासक हारे खेल प्रशासक राजनीतिज्ञों को इस बार आमचुनाव में निराश होना पड़ा। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा को खूंटी (झारखंड) से हार मिली।

आर्थिक संकट के कारण पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी नहीं कर पा रही पैरा निशानेबाज मोना

नई दिल्ली ।
पैरा निशानेबाजी विश्व कप में लगातार तीन स्वर्ण पदक विजेता मोना अग्रवाल आर्थिक संकट के कारण आगामी पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी भी नहीं कर पा रही। मोना के पास नई व्हीलचेयर खरीदने के लिए भी पर्याप्त रकम नहीं है। जरूरी धनराशि नहीं जुटा पा रही हैं जिससे उनकी पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी प्रभावित हो रही है।

मोना पोलियो से ग्रस्त है और पैरा निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) वर्ग में भाग लेती है। इस निशानेबाज ने मार्च में पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीत कर भारत को पैरालंपिक खेलों के लिए नौवां और अंतिम कोटा दिलाया था। मोना ने इसके बाद अप्रैल में कोरिया के चांगवोन में पैरा विश्व कप में एक और स्वर्ण पदक जीता था। प्रायोजकों से मिली पूरी धनराशि उन्होंने राइफल खरीदने और कोरिया में खेली गई प्रतियोगिता पर खर्च कर दी। जिसके कारण वह संकट में फंसी है। मोना को ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) में शामिल किए जाने की उम्मीद थी पर उन्हें शामिल नहीं किया गया जिससे उन्हें आर्थिक सहायता नहीं मिल पायी।

जोकोविच ने फ्रेंच ओपन से नाम वापस लिया

पेरिस ।
दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी और 24 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके नोवाक जोकोविच चोट के कारण चल रहे फ्रेंच ओपन 2024 से हट गए हैं। सर्बिया के इस दिग्गज को दाहिने घुटने में चोट लगी थी। फ्रेंच ओपन ने पुष्टि की कि इसी वजह से उन्होंने टूर्नामेंट बीच में छोड़ दिया है। वह 2023 में फ्रेंच ओपन चैंपियन रहे थे। अब उनके इस टूर्नामेंट से नाम वापस लेने से कोई नया विजेता मिलेगा। राफेल नडाल इस टूर्नामेंट हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इतना ही नहीं जोकोविच के आगामी विंबलडन 2024 में भी खेलने पर संशय है। 2023 में विंबलडन एकमात्र ऐसा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट था, जिसे वह पिछले साल जीतने में विफल रहे थे। उन्हें विंबलडन 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज ने हराया था।

पिछले मैच में बनाया था रिकॉर्ड

इससे पहले जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के अपने पिछले मैच यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में दर्द के बीच अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को को साढ़े चार घंटे चले पांच सेट के मुकाबले में हराया था। वह उस मैच में भी दाहिने घुटने के दर्द से जूझते हुए दिखे थे। अब

जोकोविच फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में खेलते नहीं दिखेंगे। फ्रांसिस्को पर जीत उनकी ग्रैंड स्लैम में रिकॉर्ड 370वीं जीत रही। उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर (369) को पीछे छोड़ा था।

जोकोविच को दाएं घुटने में लगी थी चोट

मैच के दौरान दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले 25 साल के अर्जेंटीनी फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। मैच सुबह तीन बजे तक चला। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी 37 साल के नोवाक को लगातार पांच सेट का दूसरा मुकाबला खेलना पड़ा है। इससे पहले 2012 में रोलां गैरो में उन्हें लगातार दो मैराथन मुकाबले खेलने पड़े थे। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होना था। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था।

मैच के बाद जोकोविच ने खुद को दर्द में बताया था

मैच के बाद जोकोविच ने कहा था कि अभी वह यह नहीं कह सकते कि वह क्वार्टर फाइनल में खेल पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि मैं तो बस स्वस्थ होने की उम्मीद कर सकता हूं। देखते हैं कि क्या होता है। दवाई का असर भी ज्यादा देर तक नहीं रहेगा। मैं चेकअप और टेस्ट करवाऊंगा। घुटना कई हफ्तों से उन्हें परेशान कर रहा है। दूसरे सेट में उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया था। इसके अलावा ट्रेनर ने भी उनकी मदद की। तीसरे सेट के बाद उन्हें दवाई दी गई थी। मैच के दौरान दर्द के बीच डॉक्टर ने कह दिया कि दर्द कम करने के लिए जितनी खुराक दी जा सकती थी, दी जा चुकी है।

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड, कोई नतीजा नहीं निकला

3 बार बारिश आई, टी-20 मैच 10-10 ओवर का हो गया; फिर रद्द किया गया

बारबडोस।
वर्ल्ड कप में इंग्लैंड-स्कॉटलैंड के बीच खेले गए टी-20 मैच का कोई नतीजा नहीं निकला। बारिश के चलते मैच रद्द कर दिया गया।

बारबडोस के कैनिंगटन ओवल मैदान में स्कॉटलैंड ने टॉस जीता और बल्लेबाजी चुनी। बारिश के चलते यह मैच 10-10 ओवर का हो गया। स्कॉटलैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 90 रन बनाए। कप्तान जॉर्ज मुंसे 41 और ओपनर माइकल जोंस ने 45 रन बनाकर नाबाद लौटे।

डकवर्थ लुईस मैथेड लागू होने के चलते इंग्लैंड को 109 रन का टारगेट दिया गया। लेकिन बारिश आ गई और इंग्लैंड की टीम एक भी गेंद नहीं खेल पाई।

नाबाद लौटे ओपनर्स - स्कॉटलैंड की ओर से कप्तान जॉर्ज मुंसे और माइकल जोंस ओपनिंग करने आए। दोनों नाबाद रहे। जोंस ने 150 के स्ट्राइक रेट से 45 और मुंसे ने 132 के स्ट्राइक रेट से 41 रन बनाए। 90 रन की साझेदारी की।

3 बार बारिश आई - पावर प्ले के बाद 2

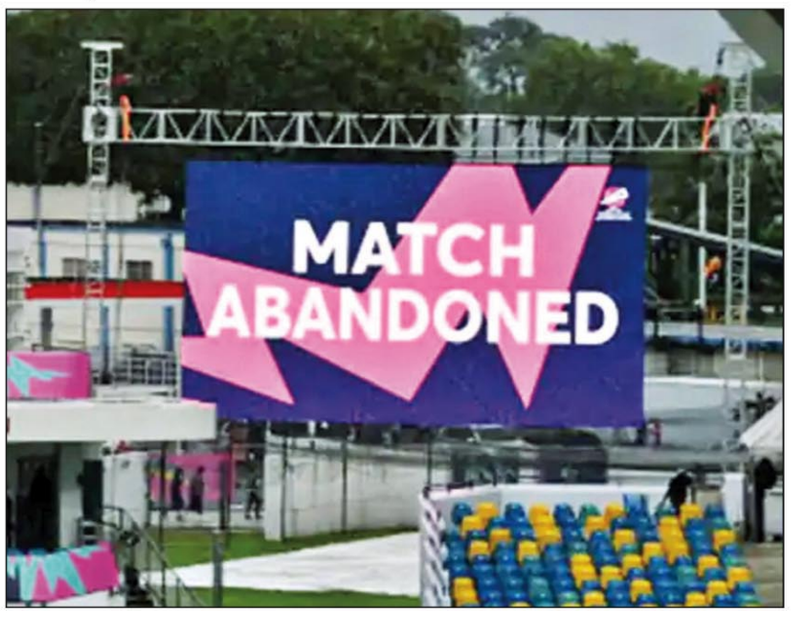

गेंदें फेंकी गई थीं, फिर बारिश आ गई। जिसके चलते करीब 2 घंटे तक गेम रोका गया।

बारिश रुकी तो मैच 10-10 ओवर का कर दिया गया। इसके बाद स्कॉटलैंड की पारी पूरी हुई। इसके तुरंत बाद फिर बारिश आ गई।

मुंसे की स्विच हिट्स, जोंस का सिक्स स्टेडियम पार - 41 रन बनाने वाले कप्तान मुंसे ने स्विच हिट से फैंस को चौंकाया। इंग्लैंड की ओर से 8वां ओवर आदिल राशिद डाल रहे थे। मुंसे ने लगातार 2 गेंदों पर स्विच हिट लगाए। एक सिक्स लगा और एक चौका। राशिद के इस ओवर से 18 रन आए।

पावरप्ले का आखिरी ओवर इंग्लिश गेंदबाज क्रिस जॉर्डन फेंक रहे थे। स्ट्राइक पर थे माइकल जोंस। जोंस ने जॉर्डन की दूसरी गेंद पर सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर गिरी और अंपयर्स को बॉल बदलनी पड़ी। इसके बाद जोंस ने जॉर्डन को लगातार 4 चौके भी लगाए।

इंग्लैंड का अनोखा रिकॉर्ड - टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड यूरोपियन टीमों के खिलाफ कभी नहीं जीती है। यूरोपियन देशों से उसके 4 मुकाबले वर्ल्ड कप में हुए। इसमें से 3 में इंग्लैंड हारी है और 1 का नतीजा नहीं निकला।

नीदरलैंड से 2009 में हारी, आयरलैंड से 2009 में नो रिजल्ट, नीदरलैंड से 2014 में हारी, आयरलैंड से 2022 में हारी, स्कॉटलैंड से 2024 में नतीजा नहीं निकला। इंग्लैंड-स्कॉटलैंड का पहला टी-20 इंटरनेशनल, पूरा नहीं हुआ। दोनों टीमें के बीच यह पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच था, जो पूरा नहीं हुआ। इससे पहले दोनों के बीच सिर्फ 5 वनडे इंटरनेशनल खेले थे। इनमें से 3 इंग्लैंड जीता और एक स्कॉटलैंड। एक मैच नो-रिजल्ट रहा।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), फिल साल्ट, विल जैक्स, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, मोइन अली, लियाम लिविंगस्टोन, क्रिस जॉर्डन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और मार्क वुड।

स्कॉटलैंड: रिची बेरिंगटन (कप्तान), जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलन, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), माइकल लीस्क, मार्क वॉट, क्रिस ग्रीव्स, क्रिस्टोफर सोल, ब्रेड वील और ब्रैडली करी।

कांगू वर्कआउट से जुड़ी बातों को जानें

क्या आप जानते है कि कांगू जम्प आपके शरीर को कई तरह के आराम पंहुचाता है। एक्सरसाइज शरीर के लिए जरूरी होती है पर कई बार बोरिंग लगती है। लेकिन कांगू जम्प के साथ आपको ऐसी शिकायत नहीं रहेगी। नाचते भागते करने वाली ये एक्सरसाइज आपके शरीर पर ज्यादा दबाव नहीं डालते हुए आसानी से आपको स्वस्थ रखती है।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होती हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका: जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली: जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन: टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

भरपूर ऊर्जा से जिएं जिंदगी...

छोटी-छोटी बातें आपकी जिंदगी में खुशियां ला सकती हैं आप ऐसी ही बातों का खयाल रखें और सुकूनभरी जिंदगी का स्वागत करें। आप जिंदगी को भरपूर ऊर्जा के साथ जिएं। कुछ चीजें जो आपके नियंत्रण में न हों उन्हें होने दें। उसके लिए व्यर्थ ही परेशान न हों।

जैसे मौसम का प्रभाव, बस का देर से आना, लोगों का व्यवहार और ट्रैफिक की लंबी की कतार। कई लोग ऐसी परिस्थितियों में नियंत्रण खो देते हैं और तनाव में आ जाते हैं। इस तरह से जीने का आखिर मतलब क्या है? अपने जीवन में उर्जा को बनाए रखें और जीवन में आने वाले सकरात्मक बदलावों को महसूस कीजिए।

आशावादी नजरिया अपनाएं

दुनिया के बारे में एक आशावादी नजरिया अपनाए जाने की जरूरत है। अक्सर होता ये है कि हमारा पूरा फोकस समस्याओं पर ही होता है। इस तरह की सोच कभी भी अच्छी नहीं कही जा सकती है।

आप आज से ही पॉजिटिव सोचना शुरू कर दें और देखें कि बाहरी दुनिया कितनी खूबसूरत है। सोचें एक सुबह जो हर रोज नई शुरुआत का मौका देती है, एक दोपहर जो आपको आगे बढने को प्रेरित करती है। एक शाम जो दुनिया की सुंदरता से परिचित करती है। रात जब आती है तो सोचने-विचारने का मौका देती है एक नये दिन की शुरुआत के लिए आराम भी। आपके इस जीवन में सौंदर्य, प्रेम, दया, सबकुछ है. लेकिन नकारात्मक सोच के कारण आप इस ओर नहीं देख पाते हैं। एक बार सकारात्मक नजरिया अपनाकर देखें, आप पाएंगे कि अचानक कुछ अच्छा लगने लगा है। बस जीवन में आने वाली खुशियों का इंतजार करें। आपको अपनी किस्मत अच्छी लगने लगेगी।

गुस्सा करना छोड़ें

एक बार गौतम बुद्ध ने कहा था कि किसी पर गुस्सा करना उस पर गर्म कोयले से प्रहार करने जैसा है जिससे कि तुम भी जलोगे। इसलिए आप दूसरों पर गुस्सा करना करना छोड़ दें। इसका प्रभाव दूसरे से ज्यादा आप पर पड़ेगा। अगर आप दूसरों की गलतियों को माफ करना सीख जाते हैं तो आप पाएंगे की कि दुनिया में बहुत से सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। यह स्थिति यथार्थ से भागने की नहीं बल्कि उसके और ज्यादा करीब जाने की है। अपने जीवन को जंग मत बनाइए। आपकी ही तरह आपके करीबियों को भी आपके प्रेम, और सम्मान की जरूरत है।

जड़ता को छोड़ें

डेविड कैम्पबेल ने एक बार कहा था तुम जो करना चाहते हो, उसको बार-बार याद करना ही अनुशासन है। अपने जीवन में कुछ सपने मूल्य और नजरिया विकसित कर लेना चाहिए। दृढ इच्छा शक्ति के दम पर ही जीवन में खुशियों को पाया जा सकता है। ऐसा तो नहीं कि आप एक अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं जिसका कोई उद्देश्य नहीं। आपको सोचने की फुर्सत ही नहीं बस दौड़े जा रहे हैं। इस जड़ता को छोड़ दीजिए। ठहरकर सोचें और फिर उद्देश्य और सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढें।

खुद फैसले लेना सीखें

कहीं आप अपने फैसले लेने में हिचकिचाते तो नहीं हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई आपके फैसलों के बारे में क्या सोचता है। आप खुद को दूसरों से बेहतर जानते हैं, इसलिए ये आपको ही डिसाइड करना है कि आपको अपने जीवन और खुशियों को बनाए रखने के लिए क्या करना है। यह जान लें कि आपको समझे और जाने बिना कोई भी व्यक्ति आपको सही तरीके से गाइड नहीं कर सकता है। कोई भी व्यक्ति आपको पूरी तरह से नहीं समझ सकता है। इसलिए आप दूसरों पर निर्भर रहना छोड़ दें। आपको लगेगा आप सही मायने में जीवन जी रहे हैं। ऐसा करने पर आपको महसूस होगा कि आप खुद में संपूर्ण हैं और दुनिया में किसी से भी ज्यादा खूबसूरती से जी रहे हैं।

रेसिपी

नींबू का खट्टा- मीठा अचार

सामग्री

आधा किलो नींबू, आधा किलो शक्कर, 1 से 2 छोटी चम्मच काला नमक, एक छोटी चम्मच बड़ी इलाइची पाउडर, 6 से 8 पिसी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच लाल मिर्च, 4 से 5 चम्मच नमक

विधि

एक-एक नींबू को 4 टुकड़ों में काटकर उसमें नमक डालकर नर्म होने के लिए 25 दिन से 30 दिन के लिए एक जार में रख दें बीच-बीच में नींबू को चलाते और देखते रहें। जब नींबू नर्म हो जाए तो नींबू में शक्कर, काला नमक, काली मिर्च, लाल मिर्च और बड़ी इलाइची का पाउडर मिलाकर 3 से 4 दिन के लिए धूप में रख दें। हर दिन साफ और सूखे चम्मच से अचार को जरूर चलाएं। एक सप्ताह में नींबू का मीठा अचार अच्छे से बन जाएगा। ध्यान रखें अचार को हमेशा साफ और सूखे चम्मच से ही लें।

ब्रेड भटूरे

साम्रगी

मैदा दो कप, सूजी एक स्पून, ब्रेड स्लाइस आठ, नमक स्वादानुसार, दही तीन स्पून, जीरा आधा टी स्पून, तेल अवयस्कता अनुसार

विधि

सबसे पहले आप ब्रेड की स्लाइस के चारों किनारों के ब्राउन कलर के पार्ट को हटा दीजिए और ब्रेड स्लाइस के सफेद भाग को मिक्सी से पीस लीजिए। अब ब्रेड पाउडर को एक बाउल में डाले और उसमे मैदा, जीरा, सूजी, नमक, दही डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा गूंथ लें और गुंथे हुए आटे को ढ़क्कर थोड़ी देर साइड पर रख दीजिए। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए। अब आटे से लोई तोड़ कर छोटी-छोटी लोई बनाईए। अब आटे की लोई लेकर रोटी की तरह भटूरा बेल कर गरम तेल में डालें। धीमी आंच पर भटूरे को दोनों तरफ से तलकर प्लेट में निकाल कर अलग रख लीजिए। उसके बाद हरी धनिया, प्याज, अदरक, हरी मिर्च और नींबू के स्लाइस से सजाकर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**